राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 02 , पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार, 29 जून 2021 मूल्य रु. 1.50

भारत ने किया अग्नि प्राइम मिसाइल का परीक्षण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ओडिशा के तट पर डॉ अब्दुल कलाम टापू पर अग्नि सिरीज की एक नई मिसाइल अग्नि-प्राइम का सफल परीक्षण किया गया। नई परमाणु-सक्षम मिसाइल पूरी तरह से कम्पोजिट मैटिरियल से बनी हुई है। खबर है कि परीक्षण के दौरान मिसाइल सभी पैमानों पर सटीक पाई गई है। हालांकि,कहा जा रहा है कि इस परीक्षण को देखते हुए विश्व के कई देश नाराजगी जाहिर कर सकते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के विकसित न्यूक्लिअर क्षमता वाले इस मिसाइल की रेंज 1 हजार से 2 हजार किलोमीटर तक की है यानि इससे दुश्मनों के वॉरशिप 2,000 किलोमीटर दूर तक ध्वस्त किए जा सकेंगे। अग्नि-प्राइम परमाणु हथियारों के साथ हमला करने में सक्षम है। ऐसे में ना जा रहा है कि अग्नि-प्राइम मिसाइल को जल्द ही सेना में शामिल किया जा सकता है। बता दें कि भारत ने पहली बार साल 1989 में अग्नि मिसाइल का परीक्षण किया था। उस समय अग्नि मिसाइल की मारक क्षमता तकरीबन 700 से 900 किलोमीटर थी। इसके बाद साल 2004 में इसे भारतीय सेना में शामिल किया गया था। सबसे बड़ी चीज, इस मिसाइल की रेंज 1 हजार से 2 हजार किलोमीटर तक है। अग्नि प्राइम मिसाइल को एडवांस रिंग लेजर गैरोंस्कोप पर आधारित नेविगेशन सिस्टम द्वारा निर्देशित किया जाता है। ये 2 स्टेज और सॉलिड फ्यूल पर आधारित मिसाइल है। इसका गाइडेड सिस्टम इलेक्ट्रो मैकेनिकल एक्यूटर से लैस है। सिंगल स्टेज वाले अग्नि 1 के विपरीत डबल स्टेज वाले अग्नि प्राइम को सड़क और मोबाइल लांचर दोनों से दागा जा सकता है। गौरतलब है कि मेक इन इंडिया के तहत भारतीय वैज्ञानिक स्वदेशी ज्ञान कौशल से निर्मित मिसाइलों का निर्माण उनके कल पुर्जों का निर्माण उनके टेक्नोलॉजी का निर्माण खुद करने लगे हैं। आज के परीक्षण से भारत को मिसाइल क्षेत्र में मानो महारथ हासिल हुई है।

कोविशील्ड का टीका लगवाने वाले यात्रियों को यूरोपीय संघ का ग्रीन पास नहीं मिलेगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत ने कोरोना वैक्सीनेशन के मामले में विश्व रिकॉर्ड बनाकर विश्व में सबसे ज्यादा डोज लगाने वाला देश बन गया है। लेकिन इस बीच वैक्सीन अभियान को यूरोपीय संघ से बड़ा झटका लगा है। जानकारी मिल रही हैं कि कोविशील्ड का टीका लगवाने वाले यात्रियों को यूरोपीय संघ का ग्रीन पास नहीं दिया जाए.। बता दें कि ईयू के वैक्सीन पासपोर्ट यानी ग्रीन पास लिस्ट में कोविशील्ड को शामिल नहीं किया गया है। यूरोपीय संघ ने पहले कहा था कि सदस्य देश कोरोना वैक्सीन के प्रकार की परवाह किए बिना प्रमाण पत्र यानी ग्रीन पास जारी कर सकते हैं। हालांकि अब संकेत मिल रहे हैं कि ईयू-वाइड मार्केटिंग ऑथराइजेशन प्राप्त टीका लगवाने वालों को ही ग्रीन पास दिया जाएगा। 1 जुलाई से ईयू के सभीसदस्य देशों में डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। जिसे ग्रीन पास के रूप में भी जाना जाता है।

बता दें कि मौजूदा समय में यूरोपीय मेडिसिन एजेंसी द्वारा चार टीकों को मंजूरी दी गई है, जिन्हें लगवाने वाले लोगों को ही यूरोपीय संघ के सदस्य देशों द्वारा ग्रीन पास जारी किया जा सकता है। ईएम ने फाइजर/बायोएनटेक की कॉमिरनाटी, मॉडर्ना, एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड की वेक्सजेरविरिया और जॉनसन एंड जॉनसन की जेनसेन को मंजूरी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में निर्मित कोविशील्ड को अभी तक ईएमए द्वारा मान्यता नहीं दी गई है, जबकि वैक्सजेवरिया और कोविशील्ड दोनों ही एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड की वैक्सीन हैं। भारत में कोविशील्ड की निर्माण पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने किया है, जिस विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंजूरी दे दी है।

भारत, अमेरिका को पीछे छोड़कर सबसे ज्यादा कोरोना वैक्सीन देने वाला देश बन गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में अब तक (28 जून, सुबह 7 बजे तक) कोरोना वैक्सीन की 32 करोड़ 36 लाख 63 हजार 297 डोज लागई जा चुकी हैं, जबकि अमेरिका में 32 करोड़ 33 लाख 27 हजार 328 डोज दी गई है। इस मामले में तीसरे नंबर पर यूके है, जहां अब तक 7 करोड़ 67 लाख 74 हजार 990 डोज लगी है। इसके बाद जर्मनी में 7 करोड़ 14 लाख 37 हजार 514 डोज, फ्रांस में 5 करोड़ 24 लाख 57 हजार 288 डोज और इटली में 4 करोड़ 96 लाख 50 हजार 721 डोज लगाई गई हैं।

जीटीए भ्रष्टाचार का अड्डा, कैग से कराऊंगा आडिट : जगदीप धनकड़

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनकड़ सात दिवसीय उत्तर बंगाल के दौरे के बाद सोमवार को कोलकाता पहुंचे। राज्यपाल की यात्रा उस समय में हुई जब भाजपा सांसद जॉन बारला लगातार उत्तर बंगाल को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग कर रहे हैं। कोलकाता लौटने के बाद गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन को लेकर राज्यपाल ने बड़ी बात कही। राज्यपाल ने कहा कि सभी का कहना है कि गोरखा टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन ठीक काम नहीं कर रहा। 2017 से चुनाव न होना चिंता का विषय है। जमीनी स्तर पर लोकतंत्र समाप्त हो गया है।

धनकड़ ने कहा कि सभी का कहना है कि जीटीए भ्रष्टाचार का अड्डा है। हजारों करोड़ रुपये पहुंचने के बाद भी विकास जमीन पर नहीं दिख रहा है। मैं कैंग से जीटीए का ऑडिट कराऊंगा।

बता दें कि गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन के अंतर्गत दार्जिलिंग, कालिमपोंग, कार्सियांग और सिलीगुड़ी के कई हिस्से आते हैं।सालों से गोरखालैंड की मांग की जा रही है। भाजपा भी जीटीए में भ्रष्टाचार का आरोप लगाती रही है। अब राज्यपाल भी भाजपा के आरोप को सही ठहराते हुए नजारा आ रहे हैं।

डेल्टा प्लस वैरिएंट का टीके पर प्रतिकूल प्रभाव डालने का कोई वैज्ञानिक डाटा उपलब्ध नहीं

नई दिल्ली । कोरोना महामारी की कोई लहर कब आएगी, इसकी तारीफ पहले से नहीं बताई जा सकती है, क्योंकि वायरस की प्रवृत्ति में अप्रत्याशित बदलाव आ रहा है। यह कहना है कोविड कार्यबल के प्रमुख वीके पाल का। सोमवार को उन्होंने यह भी कहा कि अनुशासन और महामारी से निपटने के लिए प्रभावी कदम देश को किसी भी तरह के बड़े संकट से दूर रखने में मददगार हो सकते हैं।

वायरस के डेल्टा प्लस स्वरूप को लेकर चिंता के बीच पाल ने कहा कि अबतक ऐसा कोई वैज्ञानिक आंकड़ा नहीं है, जिससे यह स्थापित हो कि यह एक से दूसरे में तेजी से फैलने वाला है या फिर कोविड के टीके का असर कम करता है। उन्होंने कहा कि हमें इस बारे में अभी और सूचना का इंतजार करना चाहिए। डेल्टा प्लस का पता 11 जून को चला और इसे चिंताजनक श्रेणी में रखा गया है। पाल नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) भी हैं। प्रेट्र के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि किसी भी आकार की महामारी की नई लहर कई बातों पर निर्भर करती है। वर्तमान महामारी के मामले में कोविड-19 संक्रमण से बचाव के समुचित व्यवहार, परीक्षण और संक्रमण की रोकथाम के लिए रणनीति के मामले में व्यापक अनुशासन और टीकाकरण की दर पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा, %इसके अलावा, वायरस का अप्रत्याशित व्यवहार महामारी की गतिशीलता को भी बदल सकता है। ऐसे परिदृश्य में, उनका जटिल कारक संक्रमण के फैलने और उसके प्रकोप को निर्धारित करेगा।

उन्नाव से बीजेपी सांसद साक्षी महाराज के साथ ठगी

नई दिल्ली। यूपी के उन्नाव से बीजेपी सांसद साक्षी महाराज साइबर ठगों के शिकार बन गए हैं। दो जालसाजों ने फर्जी चेक लगाकर उनके बैंक खाते से 97,500 रुपये निकाले बाद में तकनीक का इस्तेमाल करते हुए तीन अलग अलग खातों में पैसे भेज दिए। पता चला कि बदमाशों ने तीसरा चेक भी लगाया था, लेकिन पैसे नहीं निकाल पाए। इस मामले में पुलिस ने बिहार से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सांसद साक्षी महाराज ने संसद मार्ग थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी।

भारत के नक्शे से छेड़छाड़ जम्मू कश्मीर और लद्दाख को दिखाया अलग देश

जम्मू ईएमएस)। सरकार से तनातनी के बीच ट्विटर ने एक और बड़ी गलती कर दी है, जिसका उसे खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। ट्विटर ने भारत के नक्शे से छेड़छाड़ करते हुए केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को अलग देश बता दिया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक सरकार इस मामले में सख्त कार्रवाई कर सकती है। इससे पहले ट्विटर ने लेह को चीन का हिस्सा बता दिया था, जिस पर सरकार ने कड़ी आपत्ति जाहिर करते हुए चेतावनी दी थी। देश के नए आईटी रूल्स को मानने में आनाकानी करने वाले सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म ने अपने वेबसाइट के करियर सेक्शन में यह गलत दिखाया है। ट्विप लाइफ सेक्शन में दिख रहे नक्शे में जम्मू और कश्मीर को अलग देश दिखाया गया है तो लेह को चीन का हिस्सा बताया गया है। ट्विटर ने यह गलती ऐसे समय पर की है जबकि भारत के आईटी कानून को लेकर उसका सरकार से तकरार चल रहा है और हाल ही में भारत के आईटी व कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद का ट्विटर हैंडल एक घंटे के लिए ब्लॉक कर दिया था। माना जा रहा है कि सरकार आने वाले दिनों में ट्विटर पर सख्त कार्रवाई कर सकती है। माइक्रोब्लॉगिंग साइट को हाल ही में नाइजीरिया में इसी तरह की गतिविधियों की वजह से बैन किया गया है।

रक्षा मंत्री के पुल लोकार्पण कार्यक्रम में सीएम ने किया वर्चुअल प्रतिभाग

रामनगर/हल्द्वानी/देहरादून। मुख्यमंत्री तीरथ सिह रावत ने भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा लेह से देश में बीआरओ द्वारा दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में बनाये गये पुलों (ब्रिजों) का लोकार्पण कार्यक्रम में वचुर्वल प्रतिभाग किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लेह से बीआरओ द्वारा देश में बनाये गये 63 पुलों एवं सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सड़कों का लोकार्पण कर राष्ट्र को समर्पित किये। जिसमें उत्तराखण्ड में 1928.74 लाख की लागत से कुल 06 पुलों का लोकार्पण किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सम्बोधित करते हुये कहा कि देश के दुर्गम क्षेत्रों में पुल, सडक निर्माण कर कनेक्टीविटी देना सामरिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने बीआरओ को दुर्गम क्षेत्रों में पुल, सड़क निर्माण करने पर बधाई दी व कार्यों की सराहना की। रक्षा मंत्री ने कहा कि पुल व सड़कें देश के विकास की गति बढ़ाते हैं तथा सड़कें विकास, पर्यटन के साथ ही देश रक्षा की दृष्टि से भी अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हम समृद्व-सशक्त देश निर्माण मे तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने रामनगर से वचुर्वल प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 06 पुलों का लोकार्पण किया गया है। उत्तराखण्ड में जोशीमठ -मलार रोड पर रानी पुल लागत 348.12 लाख, ऋषिकेश- धरासू सड़क पर खादी पुल लागत 513.00 लाख, जौलजीबी-मुनस्यारी रोड पर कुरकुटिया ब्रिज लागत 142.00 लाख, जौलजीबी-मुनस्यारी सडक पर जुनालीगढ़ ब्रिज लागत 649.62 लाख, तवाघाट-घाटियाबागढ सड़क पर जुंटीगढ़ ब्रिज लागत 156.00 लाख तथा मुनस्यारी- बगडियार-मिलन सड़क पर लास्पा पुल लागत 120.00 लाख के पुलों का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों मे पुल सड़क निर्माण सामरिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। बीआरओ ने दुर्गम क्षेत्रों मे दिन-रात ठंड व बर्फबारी मे भी लगातार काम कर पुलों का निर्माण किया यह बहुत ही सराहनीय व साहसिक कार्य है। उन्होंने कहा इन पुलों के निर्माण से क्षेत्रीय जनता के साथ ही सैन्य गतिविधियों के लिये बहुत सुविधा मिलेगी। वर्चुवल लोकार्पण मे सांसद अजय टम्टा ने भी प्रतिभाग किया।

कोरोना नरम पड़ा पर ब्लैक फंगस का कहर लगातार जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत में भले ही कोरोना की दूसरी लहर अब उतार पर है, लेकिन ब्लैक फंगस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अब तक देश में 40,845 ब्लैक फंगस यानी के केस सामने आ चुके हैं। इनमें से ज्यादातर मरीजों के दिमाग और नासिका तंत्र में संक्रमण हुआ है। सोमवार को केंद्र सरकार की कोरोना पर 29वीं मीटिंग के दौरान यह डेटा जारी किया गया है।

अब तक देश में 40,845 केस ब्लैक फंगस के मिले हैं, जिनमें से 31,344 मामले ऐसे हैं, जिनमें मरीजों के दिमाग या फिर नासिका तंत्र में इन्फेक्शन हुआ है। इस जाता है। इसके चलते दिमाग, नासिका तंत्र, मुंह आदि में फंगस जम जाता है। हेल्थ मिनिस्टर डॉ. हर्षवर्धन ने कहा, अब तक ब्लैक फंगस के चलते 3,129 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्लैक फंगस के मरीजों में से 34,940 को कोरोना हुआ था। इसके अलावा 64 फीसदी यानी 26,187 लोगों को गंभीर बीमारियां थीं। इसके अलावा 52.69 फीसदी लोग ऐसे थे, जिन्हें स्टेरॉयड लेने के चलते यह इन्फेक्शन हुआ है। यही नहीं ब्लैक फंगस भी कोरोना की तरह ही हर आयु वर्ग के लोगों को अपना शिकार बना रहा है। डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि ब्लैक फंगस की चपेट में आने वाले 32 फीसदी मरीजों की आयु 18 से 45 वर्ष तक थी।

इसके अलावा 17,464 मरीज ऐसे रहे, जिनकी आयु 45 से 60 साल के बीच भी है। वहीं 60 साल से अधिक आयु के 24% यानी 10,082 लोग इसका शिकार हुए हैं। हालांकि इस बीच कोरोना की दूसरी लहर से तेजी से राहत मिल रही है। कोरोना पर मंत्री समूह की मीटिंग में मौजूद रहे आईसीएमआर चीफ बलराम भार्गव ने कहा कि भले ही दूसरी लहर अब कमजोर पड़ रही है। लेकिन अब भी सावधान रहने की जरूरत है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इकोनॉमी को दिया 6.29 लाख करोड़ रुपये का बूस्टर डोज

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई बड़े ऐलान किए। उन्होंने बताया कि सरकार 8 तरह के राहत का ऐलान करने वाली है। इसमें हेल्थ सेक्टर के लिए ₹50,000 करोड़ जबकि मेडिकल इंफ्रा में सुधार के लिए सहायता दी जाएगी। वहीं जनस्वास्थ्य पर एक साल में 23,220 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसमें खासकर बच्चों और पेडियाट्रिक केयर पर फोकस रहेगा। जबकि Tourism Sector को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने बड़ा बूस्टर प्लान किया है। इसमें टूरिज् म क्षेत्र से जुड़े लोगों को कई तरह की रियायत दी जा रही है। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण योजना पर ₹93,869 करोड़ का खर्च आएगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना के विस्तार का ऐलान किया है। इस स्कीम को एक अक्टूबर, 2020 को लॉन्च किया गया था। कोरोना महामारी की वजह से लागू लॉकडाउन के समय विभिन्न बिजनेसेज को हुए नुकसान के बीच संगठित क्षेत्र में रोजगार के अवसर में वृद्धि के लिए यह स्कीम लायी गई थी। इस स्कीम के तहत नई नियुक्ति करने वाली कंपनियों को सरकार की ओर से सब्सिडी दी जाती है। इस स्कीम कि समयसीमा 30 जून को समाप्त हो रही थी। इस स्कीम की मियाद अब 31 मार्च, 2022 तक के लिए बढ़ा दी गई है।

सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े के मुताबिक 18 जून, 2021 तक आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना का लाभ 79,577 प्रतिष्ठानों के 21.42 लाख लाभार्थियों को दिया चुका है। सकार इस मद में 902 करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इकोनॉमी को रिवाइव करने के उपायों का सोमवार को ऐलान किया। उन्होंने कहा, यह स्कीम 30 जून, 2021 तक के लिए वैध थी। इसे 31 मार्च, 2022 तक के लिए विस्तारित किया गया है।

आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना के तहत 15,000 रुपये से कम वेतन वाले नए कर्मचारियों की ओर से सरकार दो साल तक पीएफ अंशदान करती है। इतना ही नहीं नियोक्ताओं के मद का अंशदान भी सरकार द्वारा किया जा रहा है। इस तरह सरकार ऐसे कंपनियों के नए कर्मचारियों के पीएफ खाते में 24 फीसद (कर्मचारी और नियोक्ता दोनों की ओर से) राशि का अंशदान कर रही है, जिनके कर्मचारियों की संख्या 1,000 तक है।

अनुराग ठाकुर ने बताया कि 1.5 लाख करोड़ रुपए Emergency Credit Line Guarantee Scheme के लिए रखे गए हैं। यही नहीं Health सेके टर को 100 करोड़ रुपए का Loan Sanction है। इसका अधिकतम ब्याज 7.95 फीसद है। दूसरे सेके टर के लिए 8.25 फीसद ब्याज दर रहेगी। अनुराग ठाकुर ने बताया कि Travel & Tourism sector के लिए राहत सहायता के उपाय किए जा रहे हैं। इसमें 5 लाख टूरिस्ट को मुफ्त टूरिस्ट वीजा देने की बात है। इसकी मियाद 31 मार्च 2022 तक या पहले 5 लाख टूरिस्ट वीजा, जो भी पहले घटित होता है, रहेगा। एक टूरिस्ट को एक ही बार इसका फायदा मिलेगा।

कार्टून

देश की सुरक्षा के साथ किसी भी कीमत पर नहीं होगा समझौता : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख से चीन को दो टूक शदों में संदेश देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत एक शांतिप्रिय देश है जिसने कभी कोई आक्रमण नहीं किया,किंतु उकसाए या धमकाने जाने पर वह मुंहतोड़ जवाब देने के लिए सदैव तैयार रहता है। इस क्षेत्र की अपनी यात्रा के दूसरे दिन एक अग्रिम स्थान पर सैनिकों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा किभारत पड़ोसी देशों के साथ संवाद के जरिए मुद्दों का समाधान करना चाहता है किंतु देश की सुरक्षा के साथ किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने पिछले साल 15 जून को गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ भीषण झड़प में शहीद हुए 20 भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि देश उनका बलिदान कभी नहीं भूलेगा। सिंह की तीन दिनी यात्रा ऐसे समय हो रही है जब पूर्वी लद्दाख में कई स्थानों पर भारतीय एवं चीनी सैनिकों के बीच सालभर से टकराव के समाधान में गतिरोध बना है। वैसे फरवरी में पैंगोंग झील इलाके से उन्होंने अपने सैनिक एवं हथियार पीछे हटा लिये थे।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत शांतिप्रिय देश है और वह किसी को धमकी नहीं देता है किंतु यदि उसे कोई धमकाए तो वह इसे सहन नहीं करेगा। सिंह की इस बात को चीन को दिए गए स्पष्ट संकेत के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें पिछले साल उरी सीमा पर बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, किंतु सशस्त्र बलों ने उससे निपटने साहस एवं समर्पण दिखाया... हमारी सेना के पास हर चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने की क्षमता है।

वार्ता के जरिए सुलझाए जा सकते हैं विवाद: सिंह ने कहा कि विवाद वार्ता के जरिए सुलझाए जा सकते हैं, यदि उसके लिए स्पष्ट मंशा हो। उन्होंने कहा कि हमने सदैव विश्वशांति के लिए कार्य किया है। हमने कभी किसी पर हमला नहीं किया। हमारा उद्देश्य कभी किसी के विरूद्ध जीत हासिल करने का नहीं रहा। भारत ने किसी देश पर न तो हमला किया और न ही एक इंच जमीन कजा की। हमारी मंशा बहुत साफ है। हमारे पड़ोसियों को सोचना चाहिए कि हम युगों से पड़ोसी रहे हैं और युगों तक पड़ोसी रहेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री की फुटेज लीक होने की जांच कराएगा ब्रिटेन, सहयोगी को किस करने का वीडियो हुआ था वायरल

लंदन. ब्रिटेन की सरकार ने रविवार को कहा कि वह मैट हैनकाक की वीडियो फुटेज लीक होने के मामले की जांच कराएगी, जिसके चलते उनको स्वास्थ्य मंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा था। स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा विभाग इस बात की जांच करेगा कि हैनकाक द्वारा अपनी सहयोगी को किस करने का वीडियो दफ्तर के अंदर कैसे तैयार किया गया।

हैनकाक के पूर्व कार्यालय में कैमरे की मौजूदगी को लेकर जांच की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इस फुटेज का सुरक्षा के लिहाज से भी आकलन किया जा रहा है। उत्तरी आयरलैंड मामलों के मंत्री ब्रैंडन लेविस ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग यह समझने का प्रयास करेगा कि यह घटना कैसे घटी? हम इस बात को लेकर चिंतित हैं कि सरकारी इमारत के भीतर कैसे कोई व्यक्ति रिकार्डिंग करने में कामयाब हो गया। हम इस बात पर भी विचार कर रहे हैं कि हमें इससे किस तरह निपटना चाहिए।

बताते चलें कि अपनी एक करीबी महिला सहायक को किस करने पर स्वास्थ्य मंत्री हैनकाक ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया था। दरअसल, स्वास्थ्य मंत्री के इस व्यवहार को कोरोना लाकडाउन नियमों का उल्लंघन माना गया। इसके चलते उनसे त्यागपत्र की मांग की जा रही थी।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जानसन को लिखे पत्र में हैनकाक ने कहा कि सरकार उन लोगों की ऋणी है, जिन्होंने इस महामारी के दौरान इतना बलिदान दिया है। ईमानदारी से कहें तो हमने उन्हें निराश किया है। शारीरिक दूरी को लेकर सरकार के दिशा-निर्देशों को तोड़ने के लिए उन्होंने फिर से माफी मांगी है। ट्विटर पर पोस्ट किए एक वीडियो में हैनकाक ने कहा, मैं स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा मंत्री के पद से त्यागपत्र देने के लिए प्रधानमंत्री की तरफ देख रहा हूं।

दशकों से हैं तालिबान से पाकिस्तान की आईएसआई और सेना के संबंध, अमेरिका के पूर्व एनएसए का बड़ा बयान

वाशिंगटन (रॉयटर्स). अमेरिका के पूर्व एनएसए जॉन बोल्टन ने कहा है कि अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के लिए केवल पाकिस्तान ही पूरी तरह से जिम्मेदार है। खामा प्रेस के मुताबिक उन्होंने ये बयान अमेरिका के वॉयस ऑफ अमेरिका को दिए एक इंटरव्यू के दौरान दिया था। उन्होंने ये भी कहा था कि पाकिस्तान की इंटेलीजेंस एजेंसी और उनका इंटरनल सर्किल दशकों से तालिबान के संपर्क में है।

इस इंटरव्यू के दौरान बोल्टन ने ये भी कहा कि जब से अमेरिका ने अफगानिस्तान से वापस जाने की बात की है और इसकी शुरुआत की है तब से तालिबान लगातार देश में अपने पांव फैला रहा है। कई जिलों को वो अपने कब्जे में कर चुका है। बोल्टन ने तालिबान को एक सुरक्षित जगह मुहैया करवाने पर पाकिस्तान की खिंचाई भी की है। उन्होंने अपने इंटरव्यू में यहां तक कहा तक कहा कि पाकिस्तान अमेरिका ही नहीं अफगानिस्तान फोर्स के खिलाफ भी काम करने में व्यस्त है। अफगान फोर्स के ऊपर हमला कराने में भी उसकी भूमिका है।

बोल्टन ने इस इंटरव्यू में पाकिस्तान को आगाह किया है कि यदि अफगानिस्तान में तालिबान ने सत्ता हथिया ली तो वो पाकिस्तान के लिए भी एक बड़ा खतरा बन जाएगा। ऐसी सूरत में पाकिस्तान की सरकार पर आंतकी संगठनों की संख्या बढ़ाने का जबरदस्त दबाव होगा। बोल्टन ने इस इंटरव्यू में साफ कहा कि वो भविष्य को लेकर काफी चिंतित हैं। अमेरिका के पूर्व एनएसए का ये बयन ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के अफगानिस्तान से बाहर निकलने की समय सीमा लगातार कम हो रही है।

जो बाइडेन का एक्शन, सीरिया में ईरान समर्थित मिलिशिया पर अमेरिका ने किए हवाई हमले

विदेश. अमेरिका ने इराक और सीरिया के बीच सीमा के निकट ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले ठिकानों को निशाना बनाकर रविवार को हवाई हमले किए और उन्हें तबाह कर दिया । पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने बताया कि ये मिलिशिया समूह इराक में अमेरिकी बलों के खिलाफ मानवरहित यान से हमले करने के लिए इन ठिकानों का इस्तेमाल कर रहे थे।

किर्बी ने बताया कि अमेरिकी सेना ने सीरिया में दो और इराक में एक यानी कुल तीन ठिकानों पर हमले किए। इन ठिकानों से मिलिशिया समूह अपने अभियान चलाते थे और यहां हथियार भी रखते थे। बताया जा रहा है कि इस मिलिशिया गुट ने इराक में अमेरिकी दूतावास पर रॉकेट हमला किया था। रॉकेट हमले में अमेरिकी सैनिक घायल हो गए थे और एक ठेकेदार की मौत हो गई थी।

उन्होंने इन हमलों को "रक्षात्मक करार देते हुए कहा कि ये हमले "इराक में अमेरिकी हितों को निशाना बनाकर किए गए ईरान समर्थित समूहों के जारी हमलों के जवाब में किए गए। किर्बी ने कहा, "अमेरिका ने स्थिति बिगड़ने के जोखिम को कम करने के लिए और हमले रोकने की खातिर एक स्पष्ट संदेश भेजने के लिए

आवश्यक, उचित और सोच-समझकर कार्रवाई की।

ये हमले राष्ट्रपति जो बाइडेन के निर्देश पर किए गए हैं। पद संभालने के पांच महीनों में दूसरी बार उन्होंने ईरान समर्थित मिलिशिया के खिलाफ जवाबी हमले का आदेश दिया है। बाइडेन ने आखिरी बार फरवरी में उस समय इराक में रॉकेट हमलों के जवाब में सीरिया में सीमित हमलों का आदेश दिया था। यह हमले अमेरिकी कर्मियो की रक्षा के अमेरिका के प्रयासों को दिखाते हैं।

बाइडेन और व्हाइट हाउस ने रविवार को हुए हमलों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि इराक में अमेरिकी कर्मियों और सुविधाओं के खिलाफ ड्रोन हमलों में ईरान का हाथ है, जहां अमेरिकी सेना बगदाद को इस्लामिक स्टेट के अवशेषों से निपटने में मदद कर रही है।

ब्रिटेन: कोरोना में सहयोगी को किस करने पर बुरे फंसे मंत्री ने दिया इस्तीफा

ब्रिटेन के कैबिनेट मंत्री मैट हैनकॉक ने शनिवार को स्वास्थ्य मंत्रालय से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपनी एक नजदीकी सहयोगी किस कर कोविड-19 नियमों को तोड़ा था जिसके बाद से उन पर त्यागपत्र देने का दबाव था। हैनकॉक ने किस करने की बात स्वीकार भी की थी।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री जॉनसन को लिखे पत्र में हैनकॉक ने कहा कि सरकार उन लोगों की ऋणी है जिन्होंने इस महामारी में बहुत कुछ खोया है। इसके साथ ही मंत्री ने घर से बाहर रहने पर सामाजिक दूरी का पालन करने के सरकारी नियमों का उल्लंघन करने पर दोबारा माफी मांगी। ट्विटर पर साझा किये गए वीडियो में हैनकॉक ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री को स्वास्थ्य मंत्री के पद से इस्तीफा सौंपने गया था। उन्होंने कहा कि मैं समझ सकता हूं कि इस देश में सभी ने बहुत कुछ खोया है और हमारे जैसे लोग जो नियम बनाते हैं उन्हें इसका पालन करना चाहिए इसलिए मैंने इस्तीफा दे दिया।

कनाडा : ब्रिटिश कोलंबिया में भीषण गर्मी से लोगों का बुरा हाल, टूटा कई सालों का रिकॉर्ड

तटीय शहर वैंकूवर में रविवार को दोपहर में तापमान 31 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इस दौरान कई लोग समुद्र तट की ओर चले गए, हालांकि भीषण गर्मी में भीड़ सामान्य से थोड़ी कम ही दिखाई दी।

वैंकुवर. दक्षिणी ब्रिटिश कोलंबिया के अंदरूनी हिस्से में स्थित लिटन (Lytton) के गांव में रविवार को तापमान बढ़कर 46.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इसके साथ ही 1937 का वह रिकॉर्ड टूट गया है जब सस्केचेवान में 45 डिग्री सेल्सियस

तापमान रिकॉर्ड किया गया था।

पश्चिमी कनाडा के अधिकांश हिस्सों में गर्मी बढ़ने को लेकर चेतावनी भी दी जा रही है। मौसम एजेंसी का कहना है कि ब्रिटिश कोलंबिया में दैनिक तापमान के कई रिकॉर्ड टूट गए हैं। हालांकि एनवायरमेंट कनाडा ने उम्मीद जताई है कि मंगलवार को तापमान में थोड़ी कमी आएगी और मौसम ठंडा होना शुरू हो जाएगा।

तटीय शहर वैंकूवर में, रविवार की दोपहर में तापमान 31 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इस दौरान कई लोग समुद्र तट की ओर चले गए, हालांकि भीषण गर्मी में भीड़ सामान्य से थोड़ी कम दिखाई दी। यहां एक निवासी नताली मोजर ने बताया कि यहां कई लोग आस-पास के पार्कों में छाया की तलाश कर रहे थे। मोजर ने कहा कि वह विशेष रूप से गर्म मौसम के दौरान पूल का आनंद लेने के लिए आम तौर पर एक स्थानीय होटल में रहती थी, लेकिन महामारी प्रतिबंधों से यह विकल्प बाधित हो गया है।

अमेरिका में बेतहाशा गर्मी

अमेरिका में इन दिनों प्रचंड गर्मी से लोगों की हालत बुरी हो गई है।

यहां पर कुछ जगहों पर तापमान में रिकॉर्ड तेजी देखी गई है। मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि पेसेफिक नॉर्थवेस्ट कम?यूनिटी को सबसे गर्म दिनों का सामना करना पड़ सकता है। हीट वेव की वजह से यहां लोगों का हाल बेहाल हो गया है। आलम ये है कि बाजारों में पोर्टेबल एसी और पंखों की बिक्री बढ़ गई है।

वहीं, अस्पतालों ने आउटडोर वैक्सीन सेंटर फिलहाल के लिए बंद कर दिए गए हैं। बेसबॉल टीम ने अपने सप्ताहांत खेलों को भी फिलहाल के लिए स्थगित कर दिया है। देश के पश्चिमी राज्यों के अधिकतर में एक्सेस हीट वेव की चेतावनी भी दी गई है।

Blast in Dhaka: बांग्लादेश की राजधानी में विस्फोट, सात की मौत, 50 घायल अस्पताल में भर्ती, 10 की हालत गंभीर

Blast in Dhaka दुकान में गैस पाइप लाइन या गैस सिलेंडरों में किसी तरह की खराबी विस्फोट का कारण हो सकती है। ढाका के एक टीवी चैनल के मुताबिक करीब 50 घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है जिनमें से 10 की हालत गंभीर बनी हुई है।

ढाका. बांग्लादेश की राजधानी ढाका में रविवार शाम हुए एक विस्फोट में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। विस्फोट के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

विस्फोट इतना तेज था कि सात इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं- अग्निशमन विभाग

अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी फैसलुर रहमान ने बताया कि विस्फोट ढाका के मोघबाजार इलाके की एक इमारत में हुआ। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास की करीब सात इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

जिस इमारत में विस्फोट हुआ, उसमें एक फास्टफूड की दुकान थी

ढाका के पुलिस उपायुक्त सज्जाद हुसैन ने बताया कि विशेषज्ञ मिलकर काम कर रहे हैं और विस्फोट के सोर्स का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। जिस इमारत में विस्फोट हुआ है, उसमें एक फास्टफूड की दुकान भी थी।

50 घायल अस्पताल में भर्ती, 10 की हालत गंभीर

खबरों के मुताबिक, दुकान में गैस पाइप लाइन या गैस सिलेंडरों में किसी तरह की खराबी विस्फोट का कारण हो सकती है। ढाका के एक टीवी चैनल के मुताबिक, करीब 50 घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है जिनमें से 10 की हालत गंभीर बनी हुई है।

सड़क पर पड़े मिले ब्रिटेन के गोपनीय रक्षा दस्तावेज, ब्रिटिश की सेना से जुड़े कागजात थे

लंदन. ब्रिटेन में रक्षा विभाग के गोपनीय दस्तावेज एक बस स्टाप के पास पड़े मिले। ये दस्तावेज ब्रिटेन के युद्धपोत एचएमएस डिफेंडर के यूक्रेन के पास से गुजरने और अमेरिका से नाटो देशों की वापसी के दौरान ब्रिटेन की सेना की उपस्थिति से संबंधित हैं। बीबीसी के अनुसार इस संबंध में रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इन दस्तावेजों के खोने की जानकारी पिछले सप्ताह एक कर्मचारी ने दी थी। जो बाद में केंट के एक बस स्टैंड के निकट कीचड़ वाले क्षेत्र से मिले हैं।

रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इस संबंध में जांच चल रही है। ऐसी स्थिति में और जानकारी नहीं दी जा सकती है। ये दस्तावेज मिलने के बाद किसी व्यक्ति ने बीबीसी से संपर्क किया था। पचास पेज के ये दस्तावेज गोपनीय और संवेदनशील हैं। एचएमएस डिफेंडर युद्धपोत के यूक्रेन के निकट सुरक्षा में है। उसके मूवमेंट के बारे में दस्तावेजों में जिक्र है। इसी प्रकार अफगानिस्तान में ब्रिटेन की सेना से संबंधी दस्तावेज थे। इनमें इन दोनों ही मसलों पर ईमेल और पावर पाइंट प्रेजेंटेशन भी थे। बुधवार को एचएमएस डिफेंडर को लेकर ही रूस और ब्रिटेन के बीच तनातनी बढ़ गई थी।

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन को देखकर निकल पड़े नागरिकों की आंखों से आंसू, जानें- क्यों

सिओल (रॉयटर्स). उत्तर कोरिया के तानाशाह क्या पतला हो गए हैं। इस सवाल को लेकर तरह-तरह की कयासबाजी चल रही है। विशेषज्ञ उनकी पुरानी और ताजा तस्वीरों के आधार पर कह रहे हैा कि किम जोंग उन का वजन कम हुआ है। पिछले दिनों पार्टी की बैठक के दौरान उनकी जो फोटो सामने आई थी उसके आधार पर कहा जा रहा था कि उनकी कलाई पहले से कम मोटी दिखाई दी है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा था कि किम का वजन कम हुआ है।

खबरों में यहां तक कहा गया था कि उनका वजन कम होना किसी बीमारी की वजह है या फिर वो खुद चाहते हैं कि ऐसा हो। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने कहा है कि उनका अचानक वजन कम होने से उत्तर कोरिया के लोगों को चिंता होने लगी है। इसमें प्योंगयोंग के एक नागरिक के हवाले से कहा गया है कि ये खबर सभी नागरिकों के लिए दिल तोड़ने वाली है। इस नागरिक का कहना है कि किम को देखकर न सिर्फ उसकी बल्कि जिन्होंने भी उन्हें देखा वो रो पड़े। शुक्रवार को प्रसारित किए गए एक इंटरव्यू के दौरान इस नागरिक ने ये बात कही थी। हालांकि रॉयटर्स का कहना है कि वो इस फुटेज की पुष्टि नहीं करता है।

प्योंगयोंग के इस नागरिक ने इस फुटेज को वहां पर लगी सड़क पर लगी एक बड़ी स्क्रीन पर देखा था। ये फुटेज उस वक्त की थी जब वर्कर्स पार्टी ऑफ

कोरिया की बैठक के बाद किम एक कंसर्ट देखने गए थे। इसमें उनके साथ पार्टी के दूसरे नेता भी थे। उन्होंने ने इस फुटेज की पुष्टि करने से इनकार भी कर दिया है। हाल ही में सामने आई किम की एक फुटेज ने इस चिंता को बढ़ाने का काम किया है।

उत्तर कोरिया के तानाशाह पर बेहद कम ही पब्लिक कमेंट दिखाई देते हैं। लेकिन विशेषज्ञों द्वारा किम की फोटो का आंकलन और विश्लेष्ण करने के बाद अब लोग भी इस पर कमेंट करने लगे हैं। हालांकि ब्रॉडकास्टर ने किम के कम होते वजन के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। किम जोंग उन के वजन को लेकर जून की शुरुआत में ही चर्चा शुरू हो गई थी। उस वक्त भी वो लंबे समय के बाद सार्वजनिक तौर पर दिखाई दिए थे। उत्तर कोरिया के एक्सपर्ट ने उस वक्त कहा था कि किम का वजन काफी घट गया है। तभी से उनकी सेहत को लेकर तरह तरह की बातें कही जा रही हैं।

गौरतलब है कि किम मीडिया के सामने करीब एक माह बाद जब अचानक आए तो सिओल बेस्ड एक न्यूज वेबसाइट ने उनकी सामने आई दो फोटो के मिलान के आधार पर बताया था कि उनकी कलाई पहले से कम हो गई है और कंधों पर भी कुछ फर्क पड़ा है। इस आधार पर इस वेबसाइट ने कहा था कि किम का वजन पहले के मुकाबले कम हुआ है। हालांकि वेबसाइट ने इसकी कोई वजह नहीं बताई थी। आपको बता दें कि कुछ समय पहले उनके मीडिया में न दिखाई देने की वजह से उनको लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। इसकी वजह उनके देश के संस्थापक और उनके दादा किम इल संग जयंती के समारोह में शामिल न होना बनी थी।

वर्ष 2014 में भी स्टेट मीडिया ने कहा था कि किम किसी तरह की बीमारी से पीड़ित है और परेशान है। इस दौरान सामने आई खबरों में यहां तक कयास लगाए जा रहे थे कि किम की गैर मौजूदगी में उत्तर कोरिया की सत्ता किसके हाथों में होगी। रॉयटर्स के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय खुफिया एजेंसी, विशेषज्ञ और मीडिया लगातार उनकी सेहत पर निगाह रखती है। इस खबर के काफी समय के बाद वो अचानक ही मीडिया के सामने आए थे।

इमरान खान ने ओसामा बिन लादेन को बताया था शहीद

अब पाकिस्तानी मंत्री ने दी सफाई- जुबान से फिसल गया

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा अल-कायदा के मारे गए आतंकवादी ओसामा बिन लादेन को शहीद बताने के एक वर्ष बाद पाकिस्तान के सूचना मंत्री ने रविवार को स्पष्ट किया कि यह जुबान की फिसलन थी।

खान ने पिछले वर्ष 25 जून को संसद में कहा था कि अमेरिकी सुरक्षा बल पाकिस्तान में घुसे और सरकार को सूचना दिए बगैर बिन लादेन को मार दिया, जिसके बाद हर किसी ने देश को गाली देना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा था, मेरा मानना है कि ऐसा कोई देश नहीं है, जिसने आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन किया और उसे शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। अफगानिस्तान में अमेरिका की विफलता के लिए खुलेआम पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहरा दिया गया। उन्होंने सांसदों से कहा, पूरी दुनिया में पाकिस्तानियों के लिए शर्मिंदगी की बात थी कि अमेरिकी आए और ओसामा बिन लादेन को ऐबटाबाद में मार दिया। उन्हें शहीद कर दिया। इसके बाद पूरी दुनिया ने हमें गाली देना शुरू कर दिया। आतंकवाद के खिलाफ अमेरिकी युद्ध में 70 हजार पाकिस्तानी मारे गए। उनके इस बयान की विपक्ष एवं मीडिया ने आलोचना की थी।

दुनिया के सबसे वांछित आतंकवादी बिन लादेन को अमेरिका के नेवी सील ने एक गोपनीय सैन्य अभियान में मई 2011 में ऐबटाबाद में मार गिराया था। जियो न्यूज के कार्यक्रम जिरगा में रविवार को सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने खान की विवादास्पद टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा, यह जुबान की फिसलन थी।

उन्होंने इसे स्पष्ट किया था।

विवाद पिछले हफ्ते फिर सामने आया, जब विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने अफगानिस्तान के टोलो न्यूज को दिए साक्षात्कार में ओसामा बिन लादेन को आतंकवादी कहने से इनकार दिया।

दिल्ली में 5000 हेल्थ असिस्टेंट तैयार करने की हुई शुरूआत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार कोरोना की संभावित तीसरी लहर की तैयारियों को मद्देनजर रखते हुए युद्धस्तर पर काम कर रही है। इसी दिशा में गुरु गोविंद सिंह आईपी विश्वविद्यालय द्वारा 5000 कम्युनिटी हेल्थ असिस्टेंट को ट्रेनिंग दी जाएगी। सोमवार से इस कोर्स का पहला बैच शुरू हो चुका है। ये हेल्थ असिस्टेंट डॉक्टरों और नर्सों के असिस्टेंट के रूप में काम करेंगे। सोमवार को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने इस प्रोग्राम का आधिकारिक लांच किया।

दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किए गए इस कार्यक्रम का पहला बैच 28 जून से शुरू हो गया है जिसमें 500 ट्रेनीज को कई तरह के काम जैसे पैरामेडिक, लाइफ सेविंग, फर्स्ट एड, होम केयर की ट्रेनिंग दी जाएगी। इन्हें ऑक्सीजन नापने, ब्लड प्रेशर नापने, इंजेक्शन लगाने, कैथेटर, सैंपल कलेक्शन, ऑक्सीजन सिलेंडर, मास्क लगाने जैसे काम सिखाए जाएंगे। 14 दिन की इस ट्रेनिंग को 2 चरणों में बांटा जाएगा। पहले चरण में

ट्रेनीज को 1 सप्ताह तक डेमोंस्ट्रेशन क्लास के जरिए बेसिक ट्रेनिंग दी जाएगी और उसके अगले सप्ताह अस्पतालों में असिस्टेंट के रूप में काम सिखाया जाएगा। ट्रेनीज को दिल्ली के 9 बड़े अस्पतालों दीन दयाल उपाध्याय हॉस्पिटल, राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल, राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, संजय गांधी हॉस्पिटल, अम्बेडकर मेडिकल कॉलेज, ईएसआई हॉस्पिटल वसई धारापुर,हिंदूराव अस्पताल व वर्धमान महावीर हॉस्पिटल में बेसिक ट्रेनिंग दी जाएगी। दिल्ली सरकार ने इस ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए 5 करोड़ रुपये जारी किया है।

लांच के अवसर पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि हम दिल्ली में एक ऐसे मेडिकल यूथ फोर्स को तैयार करना चाहते है जो किसी भी स्वास्थ्य आपदा से लड़ने के लिए तैयार रहे। उन्होंने कहा कि इस ट्रेनिंग के बाद हमारे हेल्थ असिस्टेंट न केवल आपदा से लड़ने के लिए तैयार होंगे बल्कि सामान्य दिनों में जरूरत पड़ने पर अपने परिवारजनों और आस-पास के लोगों को भी मेडिकल सहायता दे पाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने साझा किया कि इस ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए 4 दिन के भीतर ही 1.5 लाख लोगों ने आवेदन किया। ये इस कोर्स के प्रति लोगों के उत्साह को दिखाता है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 5000 लोगों को ट्रेनिंग दी जाएगी लेकिन हमारा प्रयास रहेगा कि हम चरणबद्ध तरीके से बाकी के लोगों को भी ट्रेनिंग दे। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए इस ट्रेनिंग कोर्स की बहुत ज्यादा जरूरत है। ये ट्रेनिंग हमारे ट्रेनीज के लिए रोजगार के अवसर भी खोलेगा क्योंकि स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी बड़े स्तर पर हेल्थ असिस्टेंट की जरूरत है। दिल्ली सरकार 500-500 के बैच में 5000 कम्युनिटी हेल्थ असिस्टेंट को ट्रेनिंग देगी। ट्रेनिंग के बाद सभी हेल्थ असिस्टेंट को एक सर्टिफिकेट के साथ मेडिकल किट भी दिया जाएगा। इस मेडिकल किट में ब्लड प्रेशर जांचने की मशीन, थर्मामीटर व ऑक्सीमीटर होगा।

राजौरी गार्डन से कांग्रेस की पूर्व निगम पार्षद सुनीता सुभाष यादव आप पार्टी में शामिल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केजरीवाल सरकार द्वारा दिल्ली में शिक्षा, बिजली, पानी, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा आदि तमाम क्षेत्रों में किए जा रहे ऐतिहासिक कार्यों से प्रभावित होकर लगातार लोग आप सरकार से जुड़ रहे हैं। इसी क्रम में आप प्रमुख प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज और आप विधायक जरनैल सिंह ने आज राजौरी गार्डन से कांग्रेस की पूर्व निगम पार्षद सुनीता सुभाष यादव और उनके पति सुभाष यादव को टोपी और पटका पहनाकर आम आदमी पार्टी में स्वागत किया। जरनैल सिंह ने कहा, जो लोग दिल्ली में बदलाव और सुधार चाहते हैं, ईमानदार व्यवस्था चाहते हैं, वह अरविंद केजरीवाल जी के कामों से

प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी परिवार में शामिल हो रहे हैं।

आप विधायक जरनैल सिंह ने सोमवार को प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि दिल्ली के अंदर एमसीडी में किस प्रकार का भ्रष्टाचार चल रहा है उसका एक उदाहरण अभी आप नेता सौरभ भारद्वाज जी ने बताया है। दूसरी तरफ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जिस प्रकार से दिल्ली की जनता के लिए काम कर रहे हैं उससे प्रभावित होकर हर दिन आम आदमी पार्टी के परिवार में शामिल होने वाले लोगों की गिनती बढ़ती जा रही है। जो लोग दिल्ली में बदलाव और सुधार चाहते हैं, ईमानदार व्यवस्था चाहते हैं, उस काफिले में आज पश्चिमी दिल्ली से कांग्रेस के नामचीन लोग शामिल हो रहे हैं। राजौरी गार्डन के वार्ड 6एस में 2012 से 2017 तक कांग्रेस की निगम पार्षद रहीं सुनीता सुभाष यादव जी आज आम आदमी पार्टी में शामिल हो रही हैं। उनके साथ सुभाष यादव जी भी आप सरकार की सदस्यता ले रहे हैं। यह पूरा परिवार समाज सेवा के क्षेत्र में एक लंबे समय से जुड़ा रहा है। मुद्दा चाहे जो भी हो यह परिवार हमेशा सक्रिय रहा है।

लाल किले पर झंडा फहराने के मामले में वॉन्टेड युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस पर किसानों की ट्रैक्टर परेड के बाद हुई हिंसा के दौरान लाल किले पर झंडा फहराने के मामले में वॉन्टेड और एक लाख रुपये के इनामी आरोपी को दिल्ली पुलिस की स्पेशल ने पंजाब से गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान गुरजोत सिंह के

तौर पर हुई है। गुरजोत पर लाल किला हिंसा मामले में वॉन्टेड था और उसकी गिरफ्तारी पर 1 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उसे पंजाब के अमृतसर से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उसे दिल्ली लेकर आ रही है। गौरतलब है कि 26 जनवरी को हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी किसान बैरिकेड्स को तोड़कर राजधानी में दाखिल हो गए थे और आईटीओ सहित अन्य स्थानों पर उनकी पुलिस कर्मियों से झड़पें हुई थीं। कई प्रदर्शनकारी ट्रैक्टर चलाते हुए लाल किला पहुंच गए और ऐतिहासिक स्मारक में प्रवेश कर गए तथा उसकी प्राचीर पर एक धार्मिक झंडा लगा दिया। इस हिंसा में 500 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए थे, जबकि एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई थी। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में अपनी चार्जशीट कोर्ट में दायर कर दी है। दिल्ली में हुई हिंसा को लेकर विभिन्न व्यक्तियों के खिलाफ 38 मामले दर्ज किए गए हैं। दिल्ली पुलिस का आरोप है कि किसानों की ट्रैक्टर रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों ने कथित रूप से पहले से तय मार्ग का पालन नहीं किया और दिल्ली में प्रवेश करने के लिए बैरिकेड्स तोड़ दिए थे। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर हमला करने के साथ ही राजधानी के कई हिस्सों में तोड़फोड़ की थी। इसके बाद वो लाल किले में भी घुस गए और प्राचीर से झंडे को उखाड़ दिया था, जिनमें से दीप सिद्धू मुख्य आरोपी है।

भाजपा नेता इंद्रजीत ने अवैध निर्माण कर द ओरिएंट बनाया : भारद्वाज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने साउथ एमसीडी में भाजपा के नव निर्वाचित नेता सदन इंद्रजीत सेहरावत द्वारा पार्षद बनने के बाद अर्जित की गई करोड़ों रुपए की प्रॉपर्टी के बारे में आज अहम खुलासा किया। आप के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इंद्रजीत सेहरावत ने अवैध निर्माण कर महिपालपुर में होटल द ओरिएंट बनाया है। उन्होंने पूछा कि उनके पास इसे बनाने के लिए पैसे कहां से आए इसी तरह, इन्होंने

वसंत कुंज में भी डीडीए के फ्लैट पर अवैध निर्माण कर तीसरी और चौथी मंजिल को बनाया है। अवैध निर्माण कर बनाए जा रहे होटल की शिकायत एमसीडी कमिश्नर से की गई थी और हाईकोर्ट ने भी एमसीडी से स्टेटस रिपोर्ट मांगा है। वहीं, एमसीडी के कागजों में सभी निर्माण गतिविधियां बंद हैं और पुलिस रिपोर्ट में होटल को ध्वस्त कर दिया गया है, लेकिन यह चल रहा है। उन्होंने सवाल किया कि जब इंद्रजीत सेहरावत ने एफिडेविट में होटल का जिक्र ही नहीं किया है, तो उन्होंने यह 20 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी कहां से अर्जित की उनके पास 2017 में मात्र डेढ़ करोड़ रुपए और दो सम्पत्ति थे, लेकिन दो-ढाई साल में इनकी प्रॉपर्टी बढ़कर तीन गुना और 1.50 करोड़ रुपए बढ़कर 2.50 करोड़ हो गए।

आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक सौरभ भारद्वाज ने आज पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर साउथ एमसीडी में भाजपा के नेता सदन इंद्रजीत सेहरावत की संपत्तियों के बारे में कुछ अहम खुलासे किए। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कुछ दिनों पहले हमने साउथ एमसीडी में नवनिर्वाचित या नए तरीके से नियुक्त भाजपा के नेता सदन इंद्रजीत सेहरावत के बारे में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उस दौरान हमने बताया था कि इंद्रजीत सेहरावत ने 2017 में जो हलफनामा दायर किया था, उसके अनुसार इनके पास मात्र दो प्रॉपर्टी थी और लगभग डेढ़ करोड़ रुपए थे। एफिडेविट के अनुसार, इनके पास एल-128 महिपालपुर और वसंत कुंज में एक फ्लैट था। वहीं, इनके द्वारा 2019-20 में एमसीडी में एक एफिडेविट दिया, जिसमें सभी पार्षदों को अपनी संपत्ति के बारे में बताना होता है। इस एफिडेविट में इंद्रजीत सेहरावत ने अपनी 5 प्रॉपर्टी के बारे में बताया। इस तरह, इंद्रजीत सेहरावत की प्रॉपर्टी मात्र दो-ढाई साल के अंदर लगभग 3 गुना हो गई और इनके पास जो 1.24 करोड़ रुपए थे, वो बढ़कर करीब 2.50 करोड़ हो गए। पिछली बार हमने बताया था कि इनके पास 1,24,40,315 रुपए थे, जो बढ़कर 2,58,30,280 रुपए हो गए।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उस प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद हमारे पास कुछ लोगों ने इनके बारे में और भी जानकारियां भेजी हैं। मैंने तब भी कहा था कि इनके बारे में और भी हमारे पास जानकारियां हैं, जो आगे हम साझा करेंगे। इंद्रजीत सेहरावत के पार्षद बनने के बाद महिपालपुर में इनका एक बड़ा होटल बन रहा है। जब होटल बनना शुरू हुआ, तब बकायदा एमसीडी कमिश्नर और एक्शियन को इसकी शिकायत दी गई। यहां तक कि फोटो के साथ शिकायत की गई कि अवैध निर्माण चल रहा है और इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका भी दायर की गई, जिसमें इनका नाम भी है। हाईकोर्ट ने भी इसके ऊपर कारवाई कर एमसीडी से स्टेटस रिपोर्ट देने के लिए कहा है। इस होटल की वर्तमान स्थिति यह है कि यह होटल बन कर तैयार है, जबकि एमसीडी के कागजों के हिसाब से इस होटल को बुक कर दिया है और सारी निर्माण गतिविधियों को रोक दिया है और पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने इस होटल को ध्वस्त कर दिया है। इसके अलावा, महिलपालपुर में चल रहे इस होटल द ओरिएंट के लिए सभी विभागों में लाइसेंस के लिए खुद इंद्रजीत सेहरावत ने आवेदन किया गया है। आवेदन में इंद्रजीत सेहरावत के हस्ताक्षर हैं और उसमें इन्हें होटल द ओरिएंट का मालिक दर्शाया गया है।

दिल्ली की जनता ने भाजपा को एमसीडी से बाहर करने का मन बनाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक ने सोमवार को बयान जारी करते हुए कहा कि दिल्ली वालों ने भाजपा को एमसीडी से निकाल फेंकने का मन बना लिया है। यह खुद भाजपा के इंटरनल सर्वे से साबित हुआ है। यह सर्वे कहता है कि अप्रैल के चुनाव में एमसीडी की कुल 272 सीटों में से भाजपा को 40-50 सीटें मिलना भी मुश्किल होगा। आप नेता ने कहा, पिछले 20 सालों में भाजपा ने एमसीडी को बर्बाद कर दिया है। कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं देते हैं, व्यापारियों का टैक्स बढ़ा दिया, दिल्ली में तीन-तीन कूड़े के पहाड़ लगा दिए। इससे परेशान होकर दिल्ली की जनता ने मन बना लिया है कि भाजपा को एमसीडी से निकाल फेंकना है और एमसीडी की भी बागडोर अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के हाथों में देना है।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि दिल्ली वालों के लिए एक बड़ी खुशखबरी आने वाली है। पिछले 20 सालों में भारतीय जनता पार्टी ने एमसीडी को और पूरी दिल्ली को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। लेकिन ऐसा लगता है कि अब यह खात्मे की कगार पर है। पिछले 20 सालों में भारतीय जनता

पार्टी ने पूरी दिल्ली को कूड़ा-कूड़ा कर दिया है। आज एक भी गली, एक भी नाला ऐसा नहीं है जो साफ है।

दिल्ली की हर गली, हर नाला, हर सड़क पर आपको कूड़ा ही कूड़ा मिलेगा। खुद प्रधानमंत्री का सर्वे यह कहता है कि दिल्ली पूरे देश का सबसे गंदा शहर है। इससे ज्यादा शर्म की बात और क्या हो सकती है पिछले 20 सालों में भारतीय जनता पार्टी ने पूरी दिल्ली को गंदा कर दिया है। उन्होंने कहा, पिछले सालों में दिल्ली के अंदर कोई ऐसा घर नहीं बना होगा जिससे भारतीय जनता पार्टी के पार्षद ने पैसे न लिया हो। दिल्ली में जो भी घर बनवाता है, भाजपा का पार्षद वहां पैसे ऐंठने पहुंच जाता है। इन्होंने दिल्ली में घूस का एक पूरा सिस्टम बना दिया है। आज दिल्ली के अंदर ऐसा कोई व्यापारी नहीं है, इस कोरोना काल में लोगों को इतनी परेशानी हुई है इसके बावजूद इन्होंने व्यापारियों पर 12-13% टैक्स लगाया है। इस प्रकार भाजपा ने व्यापारियों की कमर तोड़ने का काम किया है। लोगों को अब इससे राहत मिलेगी। दिल्ली में चाहे आप जंतर मंतर चले जाइए, चाहे रामलीला मैदान चले जाइए, चाहे संसद चले जाइए, आपको वहां एमसीडी के कर्मचारी धरने पर बैठे मिलेंगे। वे पुलिस की लाठियां खा रहे हैं। उनका गुनाह क्या है उनकी मांग क्या है उनकी मांग यह है कि उन्हें वेतन दिया जाए। लेकिन पिछले 15 सालों में भारतीय जनता पार्टी ने एमसीडी को इतना बर्बाद कर दिया है कि उनके पास अपने कर्मचारियों को वेतन देने तक के पैसे नहीं हैं।

भाजपा के एक सर्वे का हवाला देते हुए आप नेता ने कहा, भाजपा ने दिल्ली की ऐसी स्थिति कर दी है कि आप दिल्ली में अपने रिश्तेदारों को कहीं से भी बुलाएं, चाहे हरियाणा की तरफ से बुलाएं, चाहे राजस्थान से बूलाएं, चाहे गाजियाबाद की तरफ से बुलाएं, उन्हें दिल्ली में घुसते ही सबसे पहले कूड़े के बड़े-बड़े पहाड़ दिखाई देंगे। और ये कूड़े के पहाड़ लगातार बढ़े जा रहे हैं। पिछले 20 सालों में भारतीय जनता पार्टी ने पूरी एमसीडी को बर्बाद कर दिया है। लेकिन खुशी की बात यह है कि लगता है कि दिल्ली वालों ने अपना मन बना लिया है कि इस बार भाजपा को एमसीडी से खत्म करना है। यह मैं नहीं बल्कि भाजपा का सर्वे कहता है। भाजपा का यह इंटरनल सर्वे लीक हो गया है। कई पत्रकारों और अंदर बैठे हमारे कई दोस्तों ने बताया कि पूरी एमसीडी में कुल 272 सीटें हैं लेकिन यदि आज चुनाव हों तो भाजपा को 272 सीटों में से केवल 40-50 सीटें ही मिलेंगी। पिछले चुनाव में दिल्ली की जनता ने इन्हें 181 सीटें दी थी। तीनों नगमों में इन्हीं कि सरकार बनाई थी। लेकिन इस बार पूरी दिल्ली इकट्ठी हो रही है। पूरी दिल्ली ने यह तय कर लिया है कि एमसीडी से भाजपा को खत्म करना है इसलिए भाजपा के इंटरनल सर्वे में यह रिपोर्ट आई है कि इन्हें 40-50 से ज्यादा सीटें नहीं मिलने वाली हैं।

दिल्ली में अभी 6 दिनों तक मॉनसून पहुंचने के आसार नहीं

नई दिल्ली। पश्चिमी हवाओं के चलते अभी राजधानी दिल्ली से मानसून दूर रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक अगले छह दिनों यानी तीन जुलाई तक हवा का रुख मुख्यतया पश्चिम की तरफ से रहेगा। इसके चलते अभी मानसूनी गतिविधियों की प्रगति की संभावना बेहद कम है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले चार दिनों के बीच सुबह से ही तेज चमकीला सूरज निकलने की संभावना है। इस दौरान हल्के बादलों की आवजाही रह सकती है। लेकिन, धूप की तेजी के चलते तापमान में इजाफा होगा। अगले चार दिनों के बीच तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहने की संभावना है। इस दौरान बीच-बीच में हवा की गति 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे तक की हो सकती है। हवा की दिशा मुख्यतया उत्तर पश्चिमी, पश्चमी और उत्तरी रहेगी। इसके चलते दिल्ली की हवा में आने वाली धूल की मात्रा भी ज्यादा रहेगी। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में रविवार की सुबह से ही तेज चमकदार सूरज निकला रहा। दिन चढ़ने के साथ ही धूप भी तेज हो गई। मौसम में मौजूद नमी के चलते लोगों को ज्यादा गर्मी का अहसास हुआ। मौसम विभाग के सफदरजंग केन्द्र में दिन का अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जो कि सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है। जबकि, न्यूतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से एक डिग्री कम है। यहां पर नमी का स्तर 90 से 44 फीसदी तक रहा। इसी के चलते मौसम में एक तरह की उमस बनी रही। राजधानी दिल्ली की हवा रविवार के दिन अपेक्षाकृत साफ-सुथरी रही। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक दिन का औसत गुणवत्ता सूचकांक 168 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। सफर का अनुमान है कि अगले तीन दिनों के दौरान हवा में धूल कणों की मात्रा में इजाफा होगा। लेकिन, हवा की गति तेज होने के चलते प्रदूषण ज्यादा देर तक वातावरण में नहीं टिकेगा और वायु गुणवत्त मुख्यतः मध्यम स्तर पर बनी रहेगी।

दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड ने 235 करोड़ रुपये की 342 योजनाओं को मंजूरी दी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी के गांवों में विकास सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड ने 342 योजनाओं को मंजूरी दी है। इसके तहत सड़कों, नालियों, जल निकाय, सामुदायिक केंद्र, पार्क, श्मशान, खेल मैदान आदि से जुड़े विकास कार्य किए जाएंगे। दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में 235 करोड़ रुपए की लागत से सुधार कार्य किए जाएंगे। दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय ने कहा कि केजरीवाल सरकार गांवों में सड़कों, पार्कों, नालियों और बहुउद्देशीय सामुदायिक केंद्रों

की स्थिति में सुधार के साथ-साथ पानी और बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। सरकार शहरी क्षेत्रों में रहने वाले दिल्ली के लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी सुविधाएं उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध है। विकास विभाग से जुड़े इन विकास कार्यों को सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग, एमसीडी, दिल्ली जल बोर्ड सहित अन्य सरकारी विभागों के माध्यम से किया जा रहा है।

दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड की बैठक मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में ऑनलाइन आयोजित हुई। जिसमें सदस्यों ने लंबित प्रस्तावों का मामला उठाया। गोपाल राय ने विभाग को ग्राम विकास से जुड़ी परियोजना की फाइलों पर समय सीमा के भीतर काम पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा गोपाल राय ने ग्राम विकास के कामों की मुख्य कार्यकारी एजेंसी सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को निर्देशित किया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर परियोजना का अनुमान तैयार किया जाए और स्वीकृत परियोजनाओं को पूरा करने में तेजी लायी जाए।

सिरसा बोले- अमित शाह ने दिया सिखों की सुरक्षा का भरोसा, पीड़ित परिवारों को मिलेगा इंसाफ

नई दिल्ली । दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि कश्मीर में सिख लड़कियों का जबरन मतांतरण कराकर मुस्लिमों से विवाह कराने के मामले को केंद्र सरकार ने गंभीरता से लिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपहरण की गई लड़की को सुरक्षित उसके स्वजन के पास पहुंचाने का आश्वासन दिया है। किसी भी सूरत में सिखों के साथ ज्यादती नहीं होने दी जाएगी। जल्द ही वह घाटी के सिख नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। सिख लड़कियों के अपहरण की सूचना मिलने के बाद रविवार को डीएसजीएमसी का प्रतिनिधिमंडल श्रीनगर गया है। वहां इस घटना के विरोध में रोष प्रदर्शन करने के साथ ही उपराज्यपाल और पुलिस अधिकारियों से मिलकर इंसाफ की मांग की।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने दावा किया कि उन्होंने अमित शाह से टेलीफोन पर बात करके उन्हें पूरी घटना की जानकारी दी और घाटी में सिखों की सुक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्हें बताया कि किस तरह एक सोची समझी साजिश के तहत सिख लड़कियों का अपहरण कर जबनर उनका मतांतरण कर ज्यादा उम्र के मुस्लिमों के साथ विवाह किया जा रहा है। पिछले कुछ दिनों में इस तरह की चार घटनाएं हो चुकी है जिससे वहां रहने वाले सिखों में रोष है। सिख अपनी व अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

उन्होंने बताया कि अमित शाह ने घाटी में सिखों की सुरक्षा का भरोसा दिलाया है। गृह मंत्री पूरे हालात की स्वंय निगरानी कर रहे हैं। रविवार को ही उन्होंने जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल से इस घटना के बारे में जानकारी हासिल कर ली थी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि अगवा की गई सिख लड़की जल्द ही अपने स्वजनों के पास पहुंचेगी।

जम्मू कश्मीर की जमीनी हालात पर चर्चा करने के लिए गृहमंत्री ने वहां सिखों के प्रतिनिधिमंडल को बैठक के लिए निमंत्रण दिया है। बैठक में अल्पसंख्यकों को आ रही मुश्किलों व अन्य मामलों पर चर्चा होगी। इसे लेकर डीएसजीपीसी अध्यक्ष ने वीडियो संदेश भी जारी किया है।

सिख नेताओं ने कश्मीर के सियासी नेताओं से भी सिख लड़कियों को अगवा करने के मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ने की मांग की है। डीएसजीएमसी के प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से मिलने का समय मांगा है जिससे उन्हें घटना की जानकारी दी जाए। उन्होंने सिख लड़कियों को न्याय दिलाने के संघर्ष जारी रखने का एलान किया।

संपादकीय

हम कानून से कब तक दूर भागेंगे

देश की सर्वोच्च अदालत राजद्रोह कानून की फिर से व्याख्या करने जा रही है। यह खासा महत्वपूर्ण है कि औपनिवेशिक युग के जिस कानून को खुद ब्रिटेन ने अपने यहां निरस्त कर दिया, उसको अब तक भारत में किसी भी सरकार ने रद्द नहीं किया, उल्टे इनमें से प्रत्येक ने इसका इस्तेमाल ही किया। जबकि, राजद्रोह कानून देश के उन तमाम कानूनों का शीर्षस्थ सिरा है, जिस पर नए सामाजिक नजरिए से विश्लेषण की जरूरत है। हममें से ज्यादातर लोग यही मानते हैं कि कानून का पालन करने वाले हम अच्छे नागरिक हैं। कानून सर्वोच्च सार्वजनिक और निजी भलाई को ध्यान में रखकर बनाए जाते हैं। हम उन सभी कानूनों के पालन का प्रयास करते हैं, जिनके बारे में हम जानते हैं। ऐसा करने से हम एक ऐसे समाज का हिस्सा बन जाते हैं, जो कानूनों द्वारा न्यायपूर्वक शासित होता है। हम जेल के जन-जीवन की नहीं सोचते, क्योंकि हम मानते हैं कि हम ऐसा कुछ करने की कल्पना भी नहीं कर सकते, जो हमें सलाखों के पीछे पहुंचा दे। और अगर गलती से हम फंस गए, तो निश्चय ही किसी दूसरे रास्ते से बच निकलेंगे! क्योंकि, जेल हमारे लिए नहीं, दूसरों के लिए हैं। क्या इन सभी धारणाओं पर फिर से विचार करने का समय आ गया है? सतही तौर पर देखें, तो हमारे कई कानूनों में अपराध के हिसाब से सजा या जेल का प्रावधान नहीं है। कई कानून तो लोक-व्यवस्था की जिम्मेदारी राष्ट्र और उसके तंत्र के बजाय नागरिकों और उनके व्यवहार पर डाल देते हैं। दुखद है, ऐसे कई कानून बिना विधायी बहस के पारित हुए हैं। जैसे, क्या आपको पता है कि पालतू कुत्ते को यदि आप ठीक से नहीं घुमाते, तो आपको गिरफ्तार किया जा सकता है? इसमें अधिकतम तीन महीने की सजा मिल सकती है। क्या आपको जानकारी है कि प्रतिबंधित धागे से पतंग उड़ाने पर दो साल की सजा हो सकती है? बिना बीमा वाली गाड़ी चलाने पर भी आप तीन महीने के लिए जेल जा सकते हैं? फिर भी, अधिकांश भारतीय नागरिक कानून-निर्माण या आपराधिक न्याय के मसलों पर संजीदगी नहीं दिखाते। दशकों, यहां तक कि सदियों से कायम कठोर और बेरहम कानूनों के अलावा कुछ नए नियम-कानून भी हैं, जो शासन को व्यापक अधिकार देते हैं। हां, सुखद यह है कि अभिव्यक्ति की आजादी और निजता के बहाने कुछ कानूनों पर गंभीर सार्वजनिक बहस हुई है। ऐसी ही एक जीत आईटी ऐक्ट की धारा 66ए को असांविधानिक करार देने से हमें मिली थी। हालांकि, अभिव्यक्ति पर चोट करते ऐसे कई अन्य कानून अब भी मौजूद हैं, लेकिन सोशल मीडिया के व्यापक इस्तेमाल के कारण लोगों को ये कानून संभवतः बहुत ज्यादा असरंदाज होते नहीं महसूस होते। एक अन्य ताजा उदाहरण देखिए। सरकार ने महामारी के समुचित प्रबंधन के लिए आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 लागू किया। लेकिन यदि इसे सख्ती से लागू किया जाता, तो इसके कुछ प्रावधान शायद लाखों लोगों को हवालात की सैर करा देते। जैसे, कोविड-19 से जुड़ी फर्जी खबरों को फैलाना। इसमें वाट्सएप मैसेज भी शामिल है, जो बाद में यदि गलत साबित हो जाए, तो आपको एक साल तक की जेल हो सकती है। इसी तरह, बिना किसी ठोस वजह से मास्क न पहनने पर भी एक साल तक की सजा तय है। जाहिर है, इनमें से कुछ कानूनों को लागू करना संभव नहीं है या फिर ये उन अधिकारियों की नजरों से दूर होंगे, जिनके पास गिरफ्तार करने का वैधानिक अधिकार है।

मगर यहां मसला इन कानूनों की मौजूदगी का है। और, परिस्थितियां कभी भी इस कदर बदल सकती हैं कि कोई व्यक्ति अनजाने में की गई गलती के लिए भी कहीं बड़ी मुश्किलें झेल सकता है। यहां मैंने जिन कानूनों का जिक्र किया है, उन सभी में गिरफ्तारी का प्रावधान है। तो क्या इस तरह के असंगत दंडनीय कानून बने रहने चाहिए? क्या पारित होने से पहले इनकी बेहतर ढंग से व्याख्या नहीं होनी चाहिए? क्या ये उस उद्देश्य और मंशा (अमूमन लोक-व्यवस्था और सुरक्षा) को पूरा करते हैं, जिनके लिए इनको बनाया जाता है? हमारे पास इतने सुबूत नहीं हैं, जो साबित कर सकें कि कड़ी सजा से अपराध कम होते हैं। शोध तो यही बताते हैं कि कठोर कारावास का अंजाम आमतौर पर अपराधी द्वारा फिर से कहीं अधिक संगीन जुर्म किए जाने के रूप में सामने आता है। दूसरी ओर, संबल देने वाली न्याय-प्रणालियों के सुखद परिणाम दिख रहे हैं, जिनमें खुली जेल की व्यवस्था भी एक है। क्या हम इस तरह के सुबूतों का इस्तेमाल अपनी दंडात्मक न्याय-प्रणाली को कहीं अधिक न्यायपूर्ण, मानवीय और प्रभावशाली बनाने के लिए कर सकते हैं? अब तक हम, यानी अभिजात वर्ग कानून-निर्माण और जेल सुधार पर गंभीर सार्वजनिक बहसों से बचते रहे हैं। चरणबद्ध लॉकडाउन ने हममें से कई लोगों को यह एहसास दिलाया होगा कि जेल की चारदीवारी में बंद होने वाले आखिर किस पीड़ा से गुजरते होंगे। लिहाजा, क्या हमारा समाज अब उन कानूनों पर गंभीर बहस कर सकता है, जिनसे किसी व्यक्ति को बहुत आसानी से अपराधी ठहरा दिया जाता है? और इसके बाद, हम कहीं अधिक व्यापक मसले पर चर्चा कर सकते हैं, जिनमें हद से अधिक भरी जेलों (जिनमें 70 फीसदी कैदी संभवतः निर्दोष विचाराधीन हैं) में मानवाधिकारों के उल्लंघन सहित आपराधिक न्याय का मसला महत्वपूर्ण है। सर्वोच्च न्यायालय ने अब राष्ट्रद्रोह कानून को विमर्श के केंद्र में ला दिया है, जबकि महामारी ने आपदा प्रबंधन अधिनियम को। इसलिए यह वक्त सांसदों और विधायकों द्वारा गहन चर्चा करने का है कि कैसे एक बेहतर कानून एक बेहतर समाज का निर्माण सुनिश्चित कर सकता है। आईटी ऐक्ट की धारा 66ए को रद्द करने में इसी तरह के विमर्श ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। रही बात भारत के कुलीन वर्ग की, तो वह हर आम सार्वजनिक सेवा से खुद को अलग रखता है, फिर चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन या बिजली। प्रदूषण और महामारी ने यह कड़वी सच्चाई बताई है कि दूषित हवा और खतरनाक कीटाणुओं से हम खुद को अलग नहीं कर सकते। बुरे कानून भी अपवाद नहीं हैं। हम इनसे कतई नहीं भाग सकते।

प्रवीण कुमार सिंह

वैक्सीन की मिक्स-मैच रणनीति कारगर रही तो यह कई प्रकार से लाभकारी हो सकेगी

वैक्सीनों के कॉकटेल का दूसरा बड़ा फायदा भारत जैसे ज्यादा आबादी वाले मुल्कों में टीकाकरण को रफ्तार देने में हो सकता है। यदि किसी जगह लोगों को पहले कोविशील्ड वैक्सीन दी जा चुकी है और उसकी दूसरी डोज फिलहाल उपलब्ध नहीं है तो उन्हें उपलब्ध कोवैक्सीन की दूसरी डोज दी जा सकती है, लेकिन निश्चय ही इसे केंद्र सरकार और मेडिकल एजेंसियां तय करेंगी। यह नहीं होना चाहिए कि लापरवाही या भूलवश किसी व्यक्ति को दो अलग वैक्सीनें लगा दी जाएं। कोविड-19 के खिलाफ बनीं वैक्सीनों को लेकर आम समझ यह है कि अंततः उन्हें इंसानों के शरीर में एंटीबॉडीज बनाते हुए इम्युनिटी पैदा करनी है, ताकि लोग कोरोना वायरस की चपेट में आने से बच सकें।

संसाधन सीमित हों, मांग अधिक हो तो अच्छे-खासे गणित गड़बड़ा जाते हैं। हमारे देश में ऐसा ही एक दृश्य कोरोना के टीकाकरण अभियान में नजर आ रहा है। हालांकि देश में कोरोना टीकाकरण की शुरुआत इस साल के आरंभ के साथ हो गई थी, लेकिन कोविड-19 की दूसरी लहर और फिर कई तरह की अव्यवस्थाओं ने वैक्सीनेशन की चाल में सुस्ती ला दी। इसी दौरान देश में कई जगह टीकाकरण केंद्र बंद होते हुए भी नजर आए हैं। जब देश में कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर को लेकर आशंका कायम हो तो टीकाकरण के रास्ते में आ रही बाधाएं चिंता पैदा करती हैं। यहां सवाल है कि इस चिंता का हल क्या है। इसके कई जवाबों में से एक उत्तर यह है कि देश को कोरोना टीकों का उत्पादन बढ़ाने, विदेश से वैक्सीन आयात करने के साथ-साथ टीकों के कॉकटेल या मिक्स-मैच नीति पर विचार करना चाहिए। टीकों की मिक्स-मैच या कहें कॉकटेल नीति यह है कि किसी भी व्यक्ति को जिस कंपनी का पहला टीका (डोज) लगाया गया है, उसे दूसरी खुराक किसी अन्य टीके की दी जा सकती है। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर के गांव औदही कलां और एक अन्य गांव में मई के आखिरी हफ्ते में स्वास्थ्य टीम की लापरवाही की वजह से करीब 20 लोगों को पहली खुराक में कोविशील्ड और दूसरी खुराक के रूप में कोवैक्सीन लगा दी गई। हालांकि किसी ने साइड इफेक्ट की शिकायत नहीं की। उत्तर प्रदेश से पहले महाराष्ट्र के जालना जिले में भी ऐसा ही एक मामला आया था। वहां 72 साल के एक बुजुर्ग दत्तात्रेय वाघमरे को दो अलग-अलग वैक्सीन लगा दी गई थीं। अब देश के डॉक्टर गलती से हुए मिक्स-मैच वाले इस टीकाकरण के परिणामों का अध्ययन कर रहे हैं। वैक्सीन के कॉकटेल से लाभ होने और या फिर ज्यादा एंटीबॉडी बनने संबंधी कुछ शोध

विदेश में हुए हैं। जर्मनी के जारलैंड यूनिवर्सिटी में में ऐसा एक शोध एस्ट्रोजेनेका और फाइजर नामक दो वैक्सीनों पर किया गया। शोध में साबित हुआ कि एक ही टीके की दो खुराक लेने के बजाय दो अलग-अलग वैक्सीनों से ज्यादा मजबूत इम्युनिटी हासिल की जा सकती है। इसमें शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों को पहली खुराक एस्ट्राजेनेका और दूसरी खुराक बायोएनटेक-फाइजर की मिली थी, उनमें ऐसे लोगों के मुकाबले ज्यादा इम्युनिटी मिली जिन्होंने दोनों खुराकें एक ही वैक्सीन की ली थीं।

उल्लेखनीय है कि यूरोपियन मेडिसिन एजेंसी से मंजूरी मिलने के बाद इस साल जनवरी में सभी जर्मन वयस्कों को एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन (कोविशील्ड) लगाई गई थी। हालांकि उस बीच कुछ युवतियों में वैक्सीन लगाने के बाद दिमाग में खून जमने की शिकायत हुई। इसे देखते हुए जर्मनी में अप्रैल में कोविशील्ड का इस्तेमाल 60 साल से ऊपर के लोगों तक ही सीमित रखने का फैसला किया गया, लेकिन नए अध्ययन में वैक्सीनों के कॉकटेल के फायदे देखते हुए पहली खुराक कोविशील्ड टीके की लेने वाले लोगों को दूसरी खुराक बायोएनटेक-फाइजर या मॉडर्ना वैक्सीन की दी गई। सिर्फ जर्मनी ही नहीं, ब्रिटेन में भी दो वैक्सीनों की डोज एक ही शख्स को देने में कोई नुकसान नहीं दिखा। वहां ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक शोधकर्ता ने पता लगाया कि अगर दो टीकों को मिक्स किया जाए तो इससे कोई बड़ा खतरा नहीं है।

हालांकि उस अध्ययन में कुछ अल्पकालिक दुष्प्रभाव होने की बात जरूर कही गई। अध्ययन में 50 वर्ष से अधिक उम्र के 830 लोगों को पहली खुराक एस्ट्राजेनेका, जबकि दूसरी फाइजर वैक्सीन की दी गई। जिन लोगों को अलग-अलग वैक्सीन की डोज दी गई, उनमें एक ही वैक्सीन की दोनों डोज लेने वालों की तुलना में कुछ साइड-इफेक्ट पाए गए। वहीं एक अन्य अध्ययन में जब 600 से अधिक लोगों को ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की कोविशील्ड और बायोएनटेक-फाइजर की वैक्सीन की दो डोज दी गईं तो विशेषज्ञों ने पाया कि वैक्सीन के ऐसे मिक्स मैच से उन्हें शक्तिशाली प्रतिरक्षा प्रणाली हासिल हुई। जाहिर है दो वैक्सीनों के इस्तेमाल के बारे में निश्चय ही अभी कुछ संदेह बने हुए हैं। जैसे यह पूछा जा रहा है कि वैक्सीनों का कॉकटेल कोविड-19 के खिलाफ आखिर कितनी इम्युनिटी देता है। इस बारे में भारत में नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वीके पॉल ने कहा है कि वैज्ञानिक नजरिये से देखें तो ऐसा संभव है कि लोगों को वैक्सीन का कॉकटेल दिया जाए, लेकिन इस मुद्दे पर और शोध की जरूरत है। वैसे इन सवालों के जवाब जल्दी ही मिल सकते हैं, क्योंकि इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई शोधकार्य चल रहे हैं और विश्व स्वास्थ्य संगठन अपने निष्कर्षों के आधार पर इस बारे में कोई परामर्श जारी कर सकता है।

बात चाहे कोविशील्ड, कोवैक्सीन, स्पुतनिक-वी, फाइजर या साइनोवैक की हो, इनमें से ज्यादातर की संरचना और कार्यप्रणाली एक दूसरे से अलग हैं। इसी वजह से आम लोगों के अलावा विज्ञानी भी संशय में हैं कि वैक्सीनों का कॉकटेल बाद में कहीं कोई बड़ी समस्या न पैदा कर दे। जैसे एक खतरा यह है कि वैक्सीन का कॉकटेल एक दूसरी वैक्सीन की प्रभाविकता को कम कर सकता है। दोनों डोज में वैक्सीन अलग-अलग होने से लोगों को वैक्सीन का बूस्टर डोज नहीं मिल पाएगा। ध्यान रहे कि एक ही वैक्सीन की दूसरी खुराक को बूस्टर डोज माना जाता है, जो कि शरीर में पहली डोज से बनी एंटीबॉडीज को और मजबूत करने के लिए दी जाती है। इसके अलावा समस्या इसलिए भी हो सकती है, क्योंकि इन्हें बनाने की कार्यप्रणाली अलग है। मिसाल के तौर पर कोविशील्ड वैक्सीन को वायरस के प्रोटीन स्पाइक के आधार पर तैयार किया गया है। इसके विपरीत कोवैक्सीन का निर्माण कोविड-19 के निष्क्रिय वायरस से हुआ है। ऐसे में अगर दोनों डोज में अलग-अलग वैक्सीन दी जाएंगी तो इससे वैक्सीन के असर में अंतर आ सकता है।

यह प्रभाव सकारात्मक भी हो सकता है और नकारात्मक भी। जाहिर है कि अगर वैक्सीन का कॉकटेल कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं दिखाता है तो इसके कई फायदे हैं। जैसे पहला लाभ यह है कि इससे लोगों में एक ही वैक्सीन की दो खुराकें लेने के मुकाबले ज्यादा इम्युनिटी या एंटीबॉडीज हासिल हो सकती है। उल्लेखनीय है कि वैक्सीनों का असर इसी से नापा जाता है कि वैक्सीन लेने वाले व्यक्ति के शरीर में कोरोना वायरस के खिलाफ कितनी एंटीबॉडीज बनीं। साथ ही यह भी देखा जाता है कि ये एंटीबॉडीज कितनी असरदार हैं। इसी से पता चलता है कि वायरस को कोशिकाओं में जाने से रोकने में एंटीबॉडीज कितनी कारगर रहती हैं। वैक्सीनों के कॉकटेल का दूसरा बड़ा फायदा भारत जैसे ज्यादा आबादी वाले मुल्कों में टीकाकरण को रफ्तार देने में हो सकता है। यदि किसी जगह लोगों को पहले कोविशील्ड वैक्सीन दी जा चुकी है और उसकी दूसरी डोज फिलहाल उपलब्ध नहीं है तो उन्हें उपलब्ध कोवैक्सीन की दूसरी डोज दी जा सकती है, लेकिन निश्चय ही इसे केंद्र सरकार और मेडिकल एजेंसियां तय करेंगी। यह नहीं होना चाहिए कि लापरवाही या भूलवश किसी व्यक्ति को दो अलग वैक्सीनें लगा दी जाएं। कोविड-19 के खिलाफ बनीं वैक्सीनों को लेकर आम समझ यह है कि अंततः उन्हें इंसानों के शरीर में एंटीबॉडीज बनाते हुए इम्युनिटी पैदा करनी है, ताकि लोग कोरोना वायरस की चपेट में आने से बच सकें।

आधुनिक अध्ययन में अभी ऐसी कोई प्रणाली व्यवस्था विकसित नहीं हुई जो जंगल का मोल नाप सके

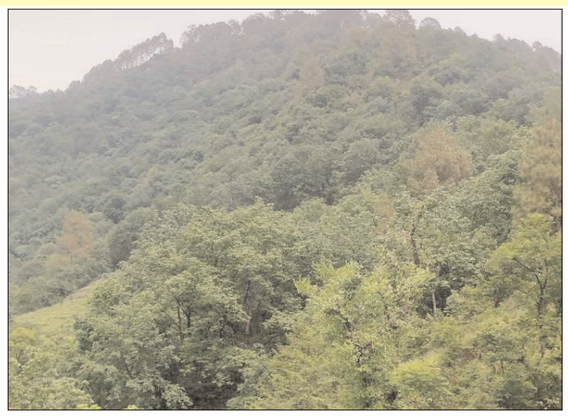

आधुनिक अध्ययन और शोध आदि में अभी ऐसी कोई प्रणाली या व्यवस्था विकसित नहीं हुई है जो जंगल का मोल नाप सके। सच तो यह है कि ऐसा करने की इंसान की हैसियत भी नहीं। कहां वे गर्व से खड़े लहलहाते खुशबू, खुशी, आनंद, उल्लास, उमंग और जीवन बिखेरते, सांसों का दान देकर, जहर लीलते, हरे भरे मुस्कराते बतियाते, जीवन पंयत देते रहने का संकल्प लिए ये जंगल और कहां ये मगरूर, खुदगर्ज, लालची, हिंसक, जहर उगलता और विनाश को आमादा इंसान। इन अनमोल जंगलों को उजाड़कर बस्ती बसाना, फैक्टरी लगाना, राजमार्ग बनाना, शहर बसाना, धंधे बढ़ाना, खेल, पार्क, मैदान, मनोरंजन सब जंगलों की कीमत पर। इस पर तुर्रा यह कि इंसान ने इन जंगल उजाड़ हरकतों को विकास का नाम दे दिया। हमारे जंगल किसी न किसी बहाने सिकुड़ते गए। जंगल के दर्द को किसी ने नहीं समझा। धरती के विशाल इकोसिस्टम की धुरी ये जंगल ऐसे मिटते गए जैसे नेताओं की नैतिकता। धरती और प्रकृति को भारत में पूज्य मां का दर्जा प्राप्त है, हमारी आस्था, संस्कृति, विश्वास और मान्यताएं ऐसी ही थीं, जब हम प्रकृति रक्षक थे। प्रकृति के संरक्षक और पूजक थे। पूजा के माध्यम से संरक्षण ही हमारी परंपरा थी। लालच, दोहन, हिंसा और क्रूरता का अचानक एक सैलाब आया और यहीं से विनाश की गाथा शुरू हो गई। वृक्ष, जंगल और हरियाली यकीनन पृथ्वी/ प्रकृति का सुंदर आवरण था। अब हम उसे आवरण/ वस्त्र विहीन देख रहे हैं। इस क्रूर कृत्य को हम मनुष्य की वीभत्स मनोवैज्ञानिक समझ कहें या कुछ और नाम दे सकते हैं। लालच और जरूरत के बीच के खेल ने लालच को हिंसक बना दिया। जहर (कार्बन डाईऑक्साइड) सोखने वाले जंगल हमें जीवन का अमृत देते हैं, पर हम विनाश पर आमादा हैं।

दुनिया भर में हजारों ऐसे प्रमाण उपलब्ध हैं कि जब जब जंगल उजड़े, तब तब आपदाओं का आगमन हुआ है। अमेजन, आस्ट्रेलिया, टेकोमा (अमेरिका) और भारत में उत्तराखंड सहित जंगलों के विनाश या आग लगने के बाद हमने आपदाओं को देखा है। आस्ट्रेलिया में हजारों प्रजातियों के करोड़ों जीव-जंतु-पौधे गायब हो गए। उत्तराखंड में जंगल की बर्बादी, नदियों की धारा में बाधाएं और तमाम परियोजनाओं के बाद भीषण आपदाओं और उनसे पैदा विनाश को देखा गया है। आपदाओं का क्रम निरंतर जारी है। विकास के नाम पर या व्यवसाय के नाम पर जंगल ही सदैव निशाने पर क्यों रहते हैं। राजमार्ग चौड़ीकरण हो या फिर शहरीकरण, हवाई अड्डे का निर्माण हो या नई आवासीय बस्ती का निर्माण, बलि जंगलों की ही चढ़ती है। समाज, सरकारें, राजनीतिक दल, व्यवस्थाएं और प्रशासनिक ढांचा इतना अदूरदर्शी कैसे हो सकता है। सरकारें रायल्टी यानी अतिरिक्त आय के लिए और व्यवसायी धन अर्जन के लिए वनों के विनाश के फैसले ले सकते हैं, लेते भी हैं, परंतु इससे भी पहले देश-समाज के व्यापक हित हैं। महामारी के दौर में हमारे देश ने बेइंतहा तबाही देखी है। स्वास्थ्य और जीवन की सुरक्षा पर आया ऐसा संकट कई पीढ़ियों ने नहीं देखा होगा। इस भयावह संकट की तह में प्रकृति का विध्वंस ही है। जंगलों में लाखों वर्षों से अनेक वायरस/ बैक्टीरिया रहते हैं, वही उनके प्राकृतिक रहवास हैं। जंगल उजड़े तो उनके रहवास बिखरे और वे बाहर आकर अचानक विनाशक हो उठे। वायरसों का यह विस्फोट शोध के लिए है, अध्ययन के लिए है या वैश्विक व्यापार युद्ध है या सर्वोच्च होने की सनक का परिणाम है या विनाशकारी शरारत है? ये सभी सवाल अभी भी जिंदा हैं। इस बात को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि किसी भी व्यवस्था, सरकार, विचारधारा, लालच, पार्टी, व्यक्ति, धर्म दर्शन, भाषा, क्षेत्र या व्यवसाय की जिद से देश बड़ा है। देश के व्यापक हित बड़े हैं। स्वास्थ्य और सुरक्षित जीवन सर्वोच्च है। कोई भी अवांछित गतिविधि राष्ट्र के लिए अहितकर है और उसे तत्काल रोकना हमारा दायित्व है।

सरकार दे मुआवजा

विपक्षी एकता पर सवाल

एनसीपी प्रमुख और राष्ट्रीय राजनीति के कद्दावर नेता शरद पवार के घर पर मंगलवार को हुई %लाइक माइंडेड लोगों की बैठक विपक्षी एकता की दिशा में कितनी बड़ी पहल है, इस सवाल पर जाने से पहले यह देख लेना ठीक होगा कि खुद इस पहल से जुड़े लोग इसे कितनी अहमियत दे रहे हैं। जिन शरद पवार के घर यह बैठक हुई, वह खुद को मेजबान तक मानने को तैयार नहीं। कहा जा रहा है कि बैठक के लिए आमंत्रण यशवंत सिन्हा ने भेजा था, इसलिए बैठक उन्हीं की बुलाई हुई मानी जाएगी। जिनकी बुलाई हुई बैठक थी, वह भी बैठक के बाद मीडिया के सामने नहीं आए। जो लोग मीडिया के सामने आए, उनकी भी ज्यादा मेहनत यही साबित करने में लगी कि यह कोई राजनीतिक बैठक नहीं थी, न ही इसका मकसद विपक्षी दलों का कोई साझा मोर्चा वगैरह बनाना था। यह भी कहा गया कि भले कांग्रेस से कोई इस बैठक में शामिल नहीं हुआ, लेकिन इसका मतलब यह न माना जाए कि यहां कांग्रेस के बगैर विपक्षी एकता की खिचड़ी पकाने का कोई प्रयास हो रहा था। बहरहाल, इन तमाम सफाइयों और स्पष्टीकरणों से बैठक की अहमियत कम नहीं होती, इनसे सिर्फ यह अंदाजा मिलता है कि विपक्ष की राजनीति की जटिलता आज कितनी बढ़ गई है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने निश्चित रूप से विपक्षी खेमे का हौसला बढ़ाया है। उसे 2024 लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ बीजेपी और एनडीए को हराने का लक्ष्य अब पहले जैसा नामुमकिन नहीं लग रहा। लेकिन आम चुनाव से पहले यूपी विधानसभा चुनाव में खासी जोर-आजमाइश होगी। ऐसे में वे तमाम ताकतें जो बीजेपी को सत्ता से बाहर देखना चाहती हैं, अगर आपस में संवाद और समन्वय के सूत्र मजबूत कर रही हैं तो यह आश्चर्य की कोई बात भले न हो, महत्वपूर्ण जरूर है। अक्सर ऐसे छोटे-छोटे प्रयासों का बड़ा नतीजा निकलता है। दिक्कत बस यह है कि विपक्ष की एकजुटता या उनमें समन्वय का लक्ष्य महज बातचीत से हासिल नहीं होने वाला। इस प्रक्रिया में शामिल तमाम छोटी-छोटी पार्टियां और नेता अपनी-अपनी राजनीतिक जमीन का विस्तार करने का मकसद भी साथ लिए चल रहे हैं, जो मौजूदा हालात में आम तौर पर कांग्रेस की कीमत पर ही संभव है। जाहिर है, कांग्रेस स्वेच्छा से तो इसे मंजूर नहीं कर सकती। ऐसे में स्पष्ट है कि बातचीत, विचार-विमर्श और मेलजोल के बीच आपस में शक्ति परीक्षण की प्रक्रिया भी चलती रहेगी। %तुम्हीं से दोस्ती और तुम्हीं से लड़ाई% की मौजूदा मजबूरी का ही नतीजा है कि कांग्रेस को साथ न रखते हुए भी साथ बताया जाए और कांग्रेस अलग रहते हुए भी खुद को अलग न बताए। बहरहाल, इन्हीं

दिल्ली समेत देश के अन्य कई क्षेत्रों को रेगिस्तान बनने से बचाने में अरावली पर्वत की अहम भूमिका

जहां पर वन संरक्षण कानून लागू होता है, वहां पर सरकार से संबंधित विकास कार्य ही केवल किए जा सकते हैं। ऐसे में अरावली के पर्यावरणीय महत्व को देखते हुए हमें इसके पर्याप्त संरक्षण के पुख्ता उपायों को अमल में लाना होगा। रेगिस्तान की रेत को रोकने के अलावा अरावली मिट्टी के क्षरण, भूजल का स्तर बनाए रखने और जमीन की नमी बरकरार रखने वाली कई जोहड़ व नदियों को आसरा देती रही है। लिहाजा अदालत के आदेशों का पालन अनिवार्य करते हुए अरावली को हर हाल में बचाया जाना चाहिए।

पिछले सप्ताह उच्चतम न्यायालय के एक आदेश के बाद फरीदाबाद नगर निगम क्षेत्र में सूरजकुंड से सटे खोरी गांव की करीब 60 हजार आबादी चिंता में है। मानवीय नजरिए से भले ही यह बहुत मार्मिक लगे कि एक झटके में 80 एकड़ में फैले शहरी गांव के करीब दस हजार मकान तोड़े जाने हैं, लेकिन यह भी कड़वा सच है कि राजस्थान के बड़े हिस्से, हरियाणा, दिल्ली और पंजाब को सदियों से रेगिस्तान बनने से रोकने वाले अरावली पर्वत को बचाने को यदि अदालत सख्त नहीं हो तो नेता-अफसर और जमीन माफिया अब तक समूचे पहाड़ को ही चट कर गया होता। कैसी विडंबना है कि जिस पहाड़ के कारण हजारों किमी में भारत का अस्तित्व बचा हुआ है, उसे बचाने के लिए अदालत को बार-बार आदेश देने होते हैं। वर्ष 2016 में ही पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट अरावली पर अवैध कब्जा कर बनाई गई कालोनियों को ध्वस्त करने के आदेश दे चुका था, उसके बाद फरवरी 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने भी उस आदेश पर मोहर लगाई थी।

अरावली पर कब्जे हटाने के लिए राज्य सरकारों की कभी ईमानदार मंशा नहीं रही, तभी हरियाणा सरकार ने तीन मार्च 2021 को सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी दे कर पर्यावरणीय मंजूरी सहित सभी वैधानिक अनुमति के अनुपालन के साथ अरावली पर्वतमाला में खनन फिर से शुरू करने की मांग की थी। सनद रहे कि सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2002 में अरावली में खनन कार्य पर प्रतिबंध लगा दिया था। तब से हरियाणा से लगते अरावली क्षेत्र में खनन कार्य पूरी तरह बंद है।

उसके बाद 2009 में सुप्रीम कोर्ट ने इको सेंसिटिव क्षेत्र में सभी प्रमुख और मामूली खनन पर पूरी तरह रोक लगा दी थी। जान लें कि दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान का अस्तित्व ही अरावली पर टिका है और यदि इससे जुड़े संरक्षण के कानूनों में थोड़ी भी ढील दी गई तो भले ही सरकारी खजाने में कुछ धन आ जाए, लेकिन हजारों हेक्टेयर का कृषि और हरियाली क्षेत्र रेगिस्तान में बदल जाएगा। यह भी याद करना जरूरी है कि वर्ष 2019 के 27 फरवरी को हरियाणा विधानसभा में जो हुआ था उसने अरावली के प्रति सरकारों की संवेदनहीनता जाहिर कर दी थी। बहाना था कि महानगरों का विकास करना है, इसलिए लाखों वर्ष पुरानी ऐसी संरचना जो कि रेगिस्तान के विस्तार को रोकने से लेकर जैवविविधता संरक्षण तक के लिए अनिवार्य है, उसे कंक्रीट का जंगल बनने के लिए छोड़ दिया गया।

बीते दिनों हरियाणा विधानसभा ने संबंधित एक्ट में ऐसा बदलाव किया कि अरावली पर्वतमाला की लगभग 60 हजार एकड़ जमीन शहरीकरण के लिए मुक्त कर दी गई। इसमें 16,930 एकड़ गुरुग्राम में और 10,445 एकड़ जमीन फरीदाबाद में आती है। अरावली की जमीन पर बिल्डरों की शुरू से ही गिद्ध दृष्टि रही है। हालांकि एक मार्च को पंजाब भूमि संरक्षण (हरियाणा संशोधन) अधिनियम-2019 पर दायर एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए हरियाणा विधानसभा के प्रस्ताव के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को चेता दिया था कि यदि अरावली से छेड़छाड़ हुई तो खैर नहीं। ऐसा लगता है कि अरावली का अस्तित्व अदालत के बदौलत ही बचा है। राजस्थान सरकार भी अरावली क्षेत्र में अवैध खनन रोकने को लेकर अदालत में बचती दिखी है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की एक रिपोर्ट कहती है कि दुनिया के लगभग 100 देशों में हरियाली वाली जमीन रेत के ढेर से ढक रही है। उल्लेखनीय है कि यह खतरा पहले से रेगिस्तान वाले इलाकों से इतर है। धीमी गति से विस्तार पा रहे रेगिस्तान का सबसे ज्यादा असर एशिया में ही है। इसरो यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का एक शोध बताता है कि थार रेगिस्तान अब राजस्थान से बाहर निकल कर कई राज्यों में जड़ जमा रहा है।

इस बात पर बहुत कम लोग ध्यान देते हैं कि भारत के राजस्थान से सुदूर पाकिस्तान व उससे आगे तक फैले भीषण रेगिस्तान से हर दिन लाखों टन रेत उड़ती है और यह हरियाली वाले इलाकों तक नहीं पहुंचे इसकी सुरक्षा का काम अरावली पर्वतमाला सदियों से करती रही है। विडंबना है कि बीते चार दशकों में यहां मानवीय हस्तक्षेप और खनन इतना बढ़ा कि कई स्थानों पर पहाड़ की जगह गहरी खाई हो गई और एक बड़ा कारण यह भी है कि अब उपजाऊ जमीन पर रेत की परत का विस्तार हो रहा है।

गुजरात के खेड़ से आरंभ होकर करीब 692 किमी तक फैली अरावली पर्वतमाला का विसर्जन देश के सबसे ताकतवर स्थान रायसीना हिल्स पर होता है जहां राष्ट्रपति भवन स्थित है। अरावली पर्वतमाला को दुनिया के सबसे प्राचीन पहाड़ों में गिना गया है।

ऐसी महत्वपूर्ण प्राकृतिक संरचना का बड़ा हिस्सा बीते चार दशकों में पूरी तरह न केवल नदारद हुआ, बल्कि कई जगह गहरी खाई हो गई। अरावली की प्राकृतिक संरचना नष्ट होने की ही त्रसदी है कि वहां से गुजरने वाली साहिबी, कृष्णावति, दोहन जैसी नदियां लुप्त हो रही हैं। विश्व वन्य संस्थान की एक रिपोर्ट बताती है कि 1980 में अरावली क्षेत्र के 247 वर्ग किमी पर आबादी थी, आज यह 638 वर्ग किमी हो गई है। इसके 47 वर्ग किमी क्षेत्र में कारखाने भी हैं। वैसे तो भूमाफिया की नजर दक्षिण हरियाणा की पूरी अरावली पर्वत श्रेणी पर है, लेकिन सबसे अधिक नजर गुरुग्राम, फरीदाबाद एवं नूंह इलाके पर है। अधिकतर भूभाग भूमाफिया वर्षों पहले ही खरीद चुके हैं।

वन संरक्षण कानून के कमजोर होते ही सभी अपनी जमीन पर गैर वानिकी कार्य शुरू कर देंगे। फिलहाल वे गैर वानिकी कार्य नहीं कर सकते। जहां पर वन संरक्षण कानून लागू होता है, वहां पर सरकार से संबंधित विकास कार्य ही केवल किए जा सकते हैं। ऐसे में अरावली के पर्यावरणीय महत्व को देखते हुए हमें इसके पर्याप्त संरक्षण के पुख्ता उपायों को अमल में लाना होगा। रेगिस्तान की रेत को रोकने के अलावा अरावली मिट्टी के क्षरण, भूजल का स्तर बनाए रखने और जमीन की नमी बरकरार रखने वाली कई जोहड़ व नदियों को आसरा देती रही है। लिहाजा अदालत के आदेशों का पालन अनिवार्य करते हुए अरावली को हर हाल में बचाया जाना चाहिए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

बिहार में छह जुलाई के बाद खोले जा सकते हैं स्कूल और कॉलेज, जानें क्या बोले शिक्षा मंत्री

पटना । कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर की वजह से राज्य के शैक्षणिक संस्थानों की चल रही बंदी जुलाई के पहले सप्ताह के बाद समाप्त हो सकती है। बिहार में 6 जुलाई को अनलॉक-3 समाप्त हो रहा है और इसके बाद शैक्षणिक संस्थानों को खोले जाने की तैयारियां आरंभ हो गई हैं। हालांकि इसपर अंतिम मुहर आपदा प्रबंधन समूह की बैठक में लगेगी, लेकिन शिक्षा विभाग ने इसको लेकर तैयारी आरंभ कर दी है। शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी के मुताबिक, 6 जुलाई के बाद स्थिति की समीक्षा कर शैक्षणिक संस्थान चरणबद्ध तरीके से खोले जाएंगे। मंत्री श्री चौधरी ने पहले भी कहा था कि सरकार और शिक्षा विभाग दोनों की चाहत है कि बच्चों की शैक्षिक गतिविधियों में टूट या अंतराल जितना कम हो, उनके कॅरियर नर्माण के लिए उतना ही अच्छा रहेगा। इसलिह कोरोना संक्रमण में सुधार की वर्तमान स्थिति बरकरार रहती है तो 6 जुलाई के बाद सबसे पहले उच्च शैक्षणिक संस्थान खोले जायेंगे। यानी शोध, प्रशिक्षण निदेशालयों के साथ ही विश्वविद्यालय, महाविद्यालय में गतिविधियां आरंभ होंगी। उसके बाद माध्यमिक-उच्च माध्यमिक स्कूल खुलेंगे। अगले चरण में मध्य विद्यालय और सबसे अंत में प्राथमिक विद्यालय खोले जाएंगे। गौरतलब है कि 5 अप्रैल से प्रदेश के सभी शैक्षिणक संस्थान बंद हैं।

भाजपा-कांग्रेस की मजबूत सियासत का केंद्र रहा है उत्तराखंड का यह शहर, विरोधियों के लिए बनी हैं रणनीतियां

रामनगर । कॉर्बेट पार्क के नाम से विश्व विख्यात रामनगर विधानसभा भाजपा और कांग्रेस की राजनीति का केंद्र है। राज्य बनने के बाद भाजपा चुनाव से पहले पांच बार प्रदेश स्तर की बैठकें कर रणनीति बना चुकी है। राष्ट्रीय संगठन का हस्तक्षेप होने से भाजपा की बैठकें अहम होती रही है। कांग्रेस चार बार बैठक कर चुनावी शंखनाद का आगाज कर चुकी है। रामनगर में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी कार्यकर्ताओं में चुनाव फतह को लेकर जोश भर चुके हैं। रामनगर से जीतकर ही एनडी तिवारी कांग्रेस के मुख्यमंत्री बने थे। मौजूदा सीएम तीरथ रावत का नाता भी रामनगर से गहरा रहा है।

वह सीएम रहते हुए भी पौड़ी संसदीय सीट के रामनगर विधानसभा से सांसद हैं। भाजपा-कांग्रेस को अन्य कई बड़े चेहरे भी रामनगर ने दिए हैं। रविवार शुरू हुए चिंतन बैठक का आगाज भी रामनगर से हो रहा है। चुनाव में कार्यकर्ता की जिम्मेदारी, नेतृत्व का विजन, विधायक की जनता में पकड़ आदि मुद्दे अहम होंगे। विधायक दीवान बिष्ट ने बताया कि प्रदेश के अन्य विधानसभा से अधिक बैठक रामनगर में होती है। पूर्व विधायक रणजीत रावत ने बताया कि रामनगर में कांग्रेस की प्रदेश स्तर की बैठकें कई हो चुकी है, जिसमें चुनाव को लेकर मंथन किया गया था।

ब्लैक फंगस मरीजों की जान पर बनी, लंबा हो रहा इंतजार, दवा नहीं मिलने पर छोड़कर जा रहे अस्पताल

पटना । अस्पतालों में भर्ती ब्लैक फंगस पीड़ित मरीजों की जान पर बन आई है। भर्ती मरीजों को समय पर दवा का समुचित डोज नहीं मिलने से उनमें संक्रमण का खतरा बढ़ गया है तो दूसरी ओर सिर्फ दवा के इंतजार में उन्हें अस्पताल में भर्ती रहना पड़ रहा है। आईजीआईएमएस और एम्स में बड़ी संख्या ऐसे मरीजों की है जिनका ऑपरेशन हो चुका है और वे सिर्फ दवा के लिए ही वार्ड में पड़े हुए हैं। मरीजों को दी जानेवाली एंफोटेरिसिन बी की जरूरी मात्रा में आपूर्ति नहीं होने से भर्ती मरीजों की परेशानी काफी बढ़ गई है। दवा की कमी के कारण एम्स और आईजीआईएमएस में भर्ती कई मरीज अब गंभीर हो रहे हैं। वहीं पीएमसीएच के कई मरीज दवा नहीं मिलने के कारण अस्पताल छोड़ने लगे हैं। एम्स में ईएनटी की प्रभारी डॉ. भावना क्रांति और ब्लैक फंगस वार्ड के नोडल पदाधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने बताया कि दवा की कमी के कारण कई मरीजों को समय पर डोज नहीं मिल पा रहा है। 14 दिनों तक प्रतिदिन छह वॉयल का डोज एक मरीज को देना होता है। लेकिन दवा की कमी के कारण इन मरीजों को एंफोटेरिसिन बी की बजाय कई बार पोसाकोनाजोल अथवा कई बार एंफोटेरिसिन की ही दूसरी कॉम्बिनेशन की दवा देनी पड़ रही है। डोज बाधित होने के कारण 14 दिन की बजाय कई मरीज 20 से 22 दिन तक वार्ड में भर्ती रह रहे हैं। वहीं आईजीआईएमएस में दवा की कमी के कारण वार्ड का माहौल भी बिगड़ रहा है। मरीज अब डॉक्टरों पर ही दवा देने में भेदभाव का आरोप लगाने लगे हैं। वहीं कई मरीजों के परिजन डॉक्टरों के साथ बहस पर उतारू हो जा रहे हैं।

पीएमसीएच में दवा की कमी के कारण अस्पताल छोड़ रहे मरीज- पीएमसीएच में दवा नहीं मिलने के कारण कई मरीज लामा यानि बिना डॉक्टर की अनुमति के वार्ड छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। रविवार को भी दो मरीज मोतिहारी की तनुश्री और ललिता देवी को अस्पताल छोड़ना पड़ा। तनुश्री 30 मई को ही पीएमसीएच में भर्ती हुई थीं। उनके परिजन जितेंद्र ने आरोप लगाया कि उनको दवा नहीं मिलने के कारण अस्पताल छोड़ना पड़ा। कहा कि अगर दवा का डोज मिलता तो वह 14 दिन में ही ठीक होकर डिस्चार्ज हो जातीं। लेकिन दवा नहीं मिलने से एक ओर उनकी बीमारी और बढ़ी तो दूसरी ओर ज्यादा दिनों तक सिर्फ दवा के इंतजार में वार्ड में भर्ती रहना पड़ा।

रविवार को दो नए पीड़ित भर्ती- पटना में रविवार को दो नए फंगस पीड़ित आईजीआईएमएस में भर्ती हुए। अब वहां ब्लैक फंगस वार्ड में मरीजों की संख्या 104 हो गई है। वहीं एम्स पटना और पीएमसीएच में एक भी नया मरीज भर्ती नहीं हुआ।

झारखंड सरकार की तैयारी- बच्चों के लिए जल्द लगेंगी मोहल्ला क्लास, टीचर्स ऐसे कराएंगे ऑफलाइन पढ़ाई

रांची । राज्य के सरकारी स्कूलों के बच्चों की ऑफलाइन पढ़ाई के लिए अब मोहल्ला क्लास चलेगी। स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग इसकी तैयारी में जुट गया है। इसके लिए शिक्षा विभाग की ओर से प्रस्ताव तैयार किया गया है। उसे आपदा प्रबंधन विभाग को भेजा जा रहा है, जहां से अनुमति मिलने के बाद मोहल्ला क्लास की शुरुआत की जाएगी। यह मोहल्ला क्लास सभी गांव के अलग-अलग टोलों और मोहल्लों में चलेगी। इसके लिए अलग-अलग समय निर्धारित किए जाएंगे। शिक्षक के साथ-साथ वॉलेंटियर भी इस कार्य में लगाए जाएंगे।

वे बच्चों को छोटे-छोटे समूह में बुलाएंगे और कोविड के मानकों का पालन करते हुए उन्हें पढ़ाएंगे। हर दिन एक शिक्षक दो से तीन मोहल्लों में जाकर बच्चों को पढ़ाएंगे। बच्चों को अलग-अलग ग्रुप में बुलाया जाएगा। जो बच्चे इसमें आने को इच्छुक होंगे, उन्हें अपने अभिभावकों की अनुमति लेनी होगी। शिक्षक अपने मोबाइल के माध्यम से उन्हें डिजिटल कंटेंट भी उपलब्ध कराएंगे। बच्चों को पठन-पाठन में हो रही समस्या को देखते हुए भी उनकी मदद की जाएगी।

शिक्षक के साथ लगेंगे वॉलेंटियर- मोहल्ला क्लास में शिक्षकों के साथ-साथ वॉलेंटियर भी लगाए जाएंगे। इसमें संबंधित गांव, टोला, मोहल्ला के पढ़े लिखे नौजवानों से मदद ली जाएगी। इसमें मुख्य रूप से वैसे बच्चों को शामिल किया जाएगा, जिन्हें मोबाइल के माध्यम से डिजिटल कंटेंट नहीं मिल पा रहा है और जो स्कूल से किसी भी प्रकार के संपर्क में नहीं हैं। राज्य सरकार ने पिछले वर्ष भी मोहल्ला क्लास शुरू करने की तैयारी की थी, लेकिन इसकी शुरुआत नहीं हो सकी थी। इस साल फिर से इसका प्रस्ताव आपदा प्रबंधन विभाग को भेजा जा रहा है।

मायावती बोलीं- हम मीडिया में नहीं दिखते लेकिन 2022 को लेकर पूरी तरह एक्टिव, कोई कम में न आंकें

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में हर राजनीतिक दल इस समय 2022 के विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटा है। हर दल की कोशिश है कि वह खुद को पूरी तरह सक्रिय और अगले चुनाव में जीत दर्ज कराकर सरकार बनाने के लिए तत्पर दिखाए जिससे कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़े और वे अपनी तैयारी में जुटे रहें। इस बीच सोमवार को बसपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अपनी और अपनी पार्टी को लेकर विपक्ष पर साजिश रचने का आरोप लगाया। मायावती ने आरोप लगाया कि विपक्षी जानबूझकर बसपा के कम सक्रिय होने की अफवाह फैला रहे हैं। जबकि वह खुद फरवरी से लखनऊ में हैं और लगातार बैठकें कर रही हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया कि भले ही वह मीडिया में कम दिखती हों, लेकिन उन्हें कम न आंका जाए।

उन्होंने कहा कि 2022 के चुनाव के लिए हमने अपना नारा दे दिया है कि यूपी को बचाना है और बसपा को सत्ता में लाना है।मायावती ने बसपा समर्थकों को विपक्ष के हथकंडों से सावधान रहने के लिए आगाह किया। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संदेश दिया कि वो जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में अपनी ऊर्जा और समय बर्बाद न करते हुए अपना समय पार्टी को मजबूत करने में लगाएं। मायावती ने कहा कि कार्यकर्ताओं ने यदि पार्टी को मजबूत किया तो बसपा अपने बलबूते सरकार बनाएगी।

उन्होंने कहा कि विरोधी साम, दाम, दंड, भेद हर तरह की रणनीति अपना रहे हैं। इसके तहत मीडिया के जरिए जानबूझकर अफवाह फैलाई जा रही है कि बसपा आगामी यूपी विधानसभा चुनावों को लेकर सक्रिय नहीं है। जबकि ऐसा नहीं है। यह सब कार्यकर्ताओं का मनोबल और उत्साह कम करने की साजिश है। उन्होंने बताया कि सभी को मालूम होना चाहिए कि कोरोना की पहली लहर के मद्धिम पड़ते ही फरवरी 2021 से वह लखनऊ में ही हैं। यही नहीं कोरोना नियमों का पालन करते हुए संगठन को मजबूत बनाने के लिए लगातार छोटी-बड़ी बैठकें करती रहती हैं। उन्होंने मीडिया को भी बसपा को कम करके नहीं आकंने की हिदायत दी। कहा कि बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते अन्य राज्यों की भी बैठकें वह करती रहती हैं। लेकिन इन बैठकों को प्रचारित करने के लिए अन्य दलों की तरह मीडिया को नहीं बुलातीं। उन्होंने कहा कि हम अपनी हर बात को मीडिया में नहीं रखते तो इसका मतलब यह नहीं है कि हम प्रदेश में सक्रिय नहीं है। प्रेस कांफ्रेंस के अंत में मायावती ने अगले विधानसभा चुनाव में बसपा को जिताने के लिए जनता का आह्वान करते हुए नारा दिया। उन्होंने कहा- यूपी को बचाना है, सर्वजन को बचाना है, बसपा की सरकार जरूर बनाना है। मायावती ने विश्वास जताया कि अगले चुनाव में जनता उनकी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव न लड़ने का किया ऐलान- बसपा अध्यक्ष मायावती ने जिला पंचायत अध्यक्ष चुनावों को लेकर कहा कि भाजपा यूपी में समाजवादी पार्टी की शैली अपना रही है। यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने इस समय प्रदेश में हो रहे ज़िला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव को नहीं लड़ने का निर्णय लिया है। मायावती ने कहा कि बीएसपी को यदि यूपी में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों का भरोसा होता तो निश्चित ही पार्टी जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव लड़ती और बड़ी संख्या में उसके उम्मीदवार चुनाव जीतते भी। उन्होंने कहा कि बसपा अगले साल यूपी में होने वाले विधानसभा चुनाव में अकेले चुनाव लड़ेगी।

उन्होंने कहा कि बसपा का पूरा फोकस विधानसभा चुनाव पर है। उन्होंने कहा कि यूपी में जब कभी बसपा सत्ता में रही। चुनाव छोटा हो या बड़ा, कहीं कोई धांधली या बेईमानी नहीं की गई ताकि लोगों का लोकतंत्र में भरोसा बना रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को लोकतंत्र को बचाने के लिए इन बातों को गंभीरता से लेना चाहिए।

रांची में बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर हवाई यात्री कोविड परीक्षणों की प्रतीक्षा करते हुए।

सिंदूरदान के समय दुल्हन ने किया शादी से इनकार, आपस में भिड़े लड़की और लड़के वाले

बेतिया । बेतिया जिले में शादी के दौरान एक लड़की ने सिंदूरदान के समय शादी करने से मना कर दिया। लड़की ने कहा कि लड़का मंदबुद्धि है इसलिए वह उससे शादी नहीं करेगी। इसके बाद वहां जमकर बवाल हुआ। लड़की और लड़के पक्ष वाले आपस में भिड़ गए। दोनों पक्ष इस कदर हंगामा कर रहे थे कि मौके पर पहुंची पुलिस पर भी उन्होंने हमला कर दिया। इसमें एक एएसआई का हाथ टूट गया।

यह घटना बेतिया जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र के बहुअरवा चैनपुर नूनिया टोली गांव की है। बताया जा रहा है कि 24 जून को योगापट्टी के हरपुरवा से बारात बहुअरवा चैनपुर गांव आई थी। यहां दुल्हन ने सिंदूरदान के समय शादी से यह कहते हुए मना कर दिया कि लड़का मंदबुद्धि है। इसके बाद दोनों पक्ष के लोग आपस में भिड़ गए। दुल्हन पक्ष ने दूल्हे सहित बारातियों को बंधक बनाकर दहेज और सामान वापस करने की मांग की। पहले दोनों पक्ष एक दूसरे के साथ बैठकर बात कर रहे थे। इसके बाद दोनों में तू-तू, मैं-मैं शुरू हो गई। बात बढ़कर हाथापाई पर पहुंच गई। मझौलिया थाने को हंगामा होने की सूचना दी गई। इसके बाद एसएचओ अशोक कुमार के निर्देश पर एएसआई दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने सभी को समझाने की कोशिश की। इस दौरान लोगों की पुलिस टीम के साथ हाथापाई हो गई। इसमें एएसआई का हाथ टूट गया।

स्थानीय लोगों की पहल पर घंटों बाद मामले को किसी तरह से शांत कराया गया। फिर जख्मी एएसआई को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही पुलिस टीम पर हमला करने वालों की पहचान की जा रही है। वहीं बंधक बने दूल्हे और बाराती से नगदी सहित सारा सामान वापस लेकर छोड़ दिया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष चुनावः सपा और भाजपा के बीच जुबानी जंग तेज

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने जहां चुनाव में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर अलोकतांत्रिक हथकंडा अपनाने का आरोप लगाया वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी में जहां परिवार ही पार्टी तथा सरकार रही हो, उसके प्रमुख अखिलेश यादव का लोकतांत्रिक मूल्यों की दुहाई देना, शोभा नहीं देता है।

इससे पहले, अखिलेश यादव ने एक बयान में आरोप लगाया था, भाजपा ने जिस तरह से जिलों में पंचायत अध्यक्षों के नामांकन अलोकतांत्रिक तरीके से रोके हैं, उससे चुनाव की निष्पक्षता एवं पवित्रता नष्ट हुई है, यह लोकतंत्र की हत्या की साजिश है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में जिला पंचायत अध्यक्ष के पदों के निर्वाचन के लिए शनिवार को सभी 75 जिलों में उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। हालांकि, 18 जिलों में एक ही उम्मीदवार के मैदान में होने से उनका निर्विरोध चुना जाना तय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्वाचन क्षेत्र गोरखपुर में भी जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में भाजपा उम्मीदवार के मुकाबले दूसरा कोई उम्मीदवार न होने से उनका निर्विरोध चुना जाना तय है। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने बताया कि 29 जून तक उम्मीदवार अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि तीन जुलाई को पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न तीन बजे तक मतदान तथा उसके बाद मतगणना होगी। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया, वाराणसी एवं गोरखपुर में जिला पंचायत सदस्यों के चुनाव में भाजपा बुरी तरह पराजित हुई थी, ऐसे में उनके अध्यक्षों का निर्विरोध निर्वाचन एक चमत्कार से कम नहीं। धन बल-छल बल और सत्ता बल का ऐसा अनैतिक खेल सत्ता लोलुप भाजपा ने खेलकर साबित कर दिया है कि वह जनादेश का सम्मान नहीं करती है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, कोविड-19 महामारी के समय अपने घरों में बैठकर सोशल मीडिया पर झूठ और भ्रम फैला कर प्रदेशवासियों को डराने वाले लोग आपदा के समय जनता से दूर रहे और अब जब वे पंचायत चुनावों में भी करारी हार के करीब हैं तो अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। सिंह ने आरोप लगाया, सपा की कार्य संस्कृति अराजकता, गुंडागर्दी, राजनीतिक अपराधीकरण तथा भ्रष्टाचार की रही है, उसके राजनीतिक मूल्यों में जातिवाद, परिवारवाद तथा तुष्टीकरण समाहित है। उन्होंने निजी हितों की पूर्ति के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर भी हमला करने में तनिक संकोच नहीं किया और अब जब वही संस्थाएं संविधान की परिधि में काम कर रही हैं तो आज सपा प्रमुख विचलित हो रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, अखिलेश यादव ने हार स्वीकार ली है और जवाबदेही से बचने के लिए अपने जिलाध्यक्षों पर हार का ठीकरा फोड़ रहे हैं। समाजवादी पार्टी 2014 से चुनाव दर चुनाव लगातार हार का सामना कर रही है, इसके बावजूद अखिलेश जी अभी वर्क फ्रॉम होम में ही व्यस्त हैं। गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम ने शनिवार को 11 जिलों के पार्टी अध्यक्षों को पद से हटा दिया। सपा द्वारा जारी बयान के मुताबिक गोरखपुर, मुरादाबाद, झांसी, आगरा, गौतम बुद्ध नगर, मऊ, बलरामपुर, श्रावस्ती, भदोही, गोंडा व ललितपुर के पार्टी जिला अध्यक्षों को हटाया गया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक यह वह जिले हैं जहां सपा प्रत्याशी अपना नामांकन दाखिल नहीं कर पाए थे।

केंद्र से कैदी वाहन चोरी, एसपी ने छह पुलिसकर्मियों को किया निलंबित

गोड्डा । पुलिस केंद्र से कैदी वाहन चोरी मामले मे छह पुलिस कर्मी को निलंबित किया गया। एसपी वाई एस रमेश ने की कार्रवाई। बिहार के बांका जिला से त्वरित कार्रवाई में बरामद हुआ था वाहन। चोरी मे शामिल एक अपराधी को पुलिस ने वाहन के साथ किया था गिरफ्तार। मामले को लेकर एसपी वाई एस रमेश ने एसडीपीओ को जांच के आदेश दिए थे। जांच के बाद कार्रवाई की गई।

बीते 25 जून को पुलिस केंद्र, गोड्डा से अज्ञात चोर के द्वारा कैदी वाहन चोरी कर लिया गया था। बाद में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन को बिहार के बांका जिला से बरामद कर एक को गिरफ्तार किया था। जांच प्रतिवेदन के समीक्षा उपरांत कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने के आरोप में श्रीकांत मरांडी परिवहन परिचारी, दिवा हवलदार सुफाइल किस्कू, परिवहन हवलदार रंजीत राम, आरक्षी पंकज कुमार यादव, आरक्षी जोसेफ सोरेन एवं सा.आ. दिलीप कुमार भुइयां को निलंबित कर दिया गया।

मालूम हो सिकटिया पुलिस लाइन से 25 जून के सुबह कैदी वाहन (जे एच 17 बी 3240) गायब हो गया था। जिसे बांका जिले के बाराहाट थाना क्षेत्र से बरामद किया गया। एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई थी। व्यक्ति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह बार-बार अपना बयान बदल रहा था। अलग-अलग नाम बता रहा था। चोर पुलिस लाइन से वाहन को निकालकर डुमरिया के रास्ते खटनई चेकपोस्ट पार करते हुए बिहार के बांका जिला अंतर्गत बाराहाट रेलवे फाटक तक पहुंच गया था।

एसपी वाईएस रमेश को सूचना प्राप्त होते ही सदर एसडीपीओ आनंद मोहन सिंह नेतृत्व में टीम बनाकर जिले के तमाम पुलिस थानों में को अलर्ट कर दिया गया और वाहन की तलाश में लग गए। टीम द्वारा तमाम जगहों की सीसीटीवी फुटेज तलाश करते हुए चोर समेत वाहन को बांका, बाराहाट बरामद किया।

सोना तस्करों के खिलाफ पुलिस को बड़ी कामयाबी, पीडीडीयू जंक्शन से 2.60 करोड़ का ज्वेलरी बरामद, दो गिरफ्तार

मुगलसराय(चंदौली) । पीडीडीयू जंक्शन पर सोमवार की सुबह आठ बजे जीआरपी व आरपीएफ ने संयुक्त चेकिंग के दौरान दो सोना तस्करों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के बैग तलाशी में छह किलो छह ग्राम सोने की ज्वेलरी व बिस्कुट बरामद हुआ। आरोपितों के खिलाफ जीआरपी व डीआरआई कार्रवाई करने में जुटी है।

जीआरपी सीओ अखिलेश राय ने बताया कि जीआरपी कोतवाल अशोक कुमार दूबे व आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार स्टेशन पर चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान प्लेटफार्म संख्या सात आठ पर स्थित पुराने पुल के पास दो संदिग्ध दिखे। संदेह होने पर बैग की तलाशी लेने पर काफी मात्रा में सोने की ज्वेलरी बरामद हुई। छानबीन के दौरान पता चला कि बरामद तीन विस्कुट व ज्वेलरी छह किलो छह सौ ग्राम लगभग तीन करोड़ 60 लाख 98 हजार का है। पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपित पश्चिम बंगाल मेदनीपुर जिले मध्यपारा हरेकृष्णपुर निवासी दिलिप मोंडल व इसी जिले इशुपुर निवासी कार्तिक मोंडल है आरोपित अप की भुवनेश्वर राजधानी में सवार होकर दिल्ली जा रहे थे। लेकिन चेकिंग के डर से पीडीडीयू जंक्शन पर उतरकर दुसरे ट्रेन से दिल्ली जाने वाले थे। लेकिन चेकिंग के दौरान पकड़ लिए गये। वही आरोपितों से पूछताछ के बाद जीआरपी व डीआरआई जांच करने में जुटी है।

सपा और बसपा के आरोपो का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव ने दिया जवाब, मिशन 2022 का चुनावी मुद्दा भी बताया

झांसी । यूपी में जिला पंचयत अध्यक्ष पद पर भाजपा प्रत्याशियों के कई सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन तय होने के बाद सपा और बसपा की ओर से लग रहे आरोपों का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने सोमवार को जवाब दिया। झांसी दौरे पर आये स्वतंत्रदेव सिंह ने दावा किया कि हमारे पास लोकप्रिय और ईमानदार नेतृत्व है। देश और प्रदेश का न केवल नेतृत्व बल्कि पूरा मंत्रिमंडल बेदाग है। हम विकास के नाम पर,कानून व्यवस्था के नाम पर, परिश्रम की पराकाष्ठा और ईमानदारी के नाम पर 2022 का चुनाव लड़ेंगे।

झांसी विकास प्राधिकरण स्थित अटल एकता पार्क में वृक्षारोपण के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कहा कि 2022 का चुनाव हम राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अपने सहयोगी दलों के साथ ही लडेंगे। प्रदेश के चुनावों को लेकर बाकी रणनीति आगे तैयार की जायेगी। हमारे पास ईमानदार नेतृत्व है,भ्रष्टाचार मुक्त है। प्रदेश सरकार ने कानून व्यवस्था सुधारने के लिए काम किया है राज्य के अपराध हो नहीं सकता है। हमारी सरकार के शासन में न वंशवाद है, न परिवारवाद और न ही जातिवाद है।

हमारे शासनकाल में किसी गरीब का शोषण नहीं हो सकता। आपने सपा बसपा शासनकाल भी देखा है लेकिन हमारी सरकार पर कोई दाग नहीं है। समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि यहां सरकार सैफई खानदान नहीं चलाता बल्कि यहां योगी सरकार है भाजपा की सरकार हैं। सरकार और संगठन दोनों का एकमात्र लक्ष्य गरीबों की सेवा है।

वृक्षारोपण के हर साल किये जाने कार्यक्रम की कमजोर मॉनीटरिंग को लेकर पूछे गये सवाल के जवाब में प्रदेश अध्यक्ष ने व्यवहारिकता से दूर दार्शनिकों की तरह बात करते हुए कहा कि वृक्षारोपण को वृहद पैमाने पर सफल बनाने के लिए जनआंदोलन की आवश्यकता होती है। सब काम करने चाहिए शुरू करो लेकिन इसके लिए समाज के आंदोलित होने की भी दरकार है। जैसे मोदी जी ने स्वच्छता अभियान ,योग अभियान शुरू किया आज सब लोग पूरी दुनिया स्वीकार कर रही है।

वृक्षारोपण भी जन आंदोलन है कोई एक संगठन की बदौलत यह नहीं चलने वाला है। जब तक पूरा समाज इसके साथ नहीं जुटेगा । सरकार, सामाजिक संगठन आदि सभी मिलकर काम करते हैं तो राज्य का वातावरण बनता है ।इसमें सभी लोगों को लगना चाहिए। पेड़ कैसे बचाएं जाएं इसके लिए सभी को सोचना चाहिए , इन्हीं से जीवन और ऑक्सीजन मिलता है इनके लिए सभी को सोचना चाहिए।

इससे पहले उन्होंने अपने भ्रमण के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी ने निर्णय लिया है कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस 23 जून से 06 जुलाई तक वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्त स्वच्छता अभियान चलाने हैं और चार जुलाई को वृहद वृक्षारोपण सरकार में और संगठन में किया जाना है। हर बूथ पर 10-10 पेड़ लगाए जाएं इसे पार्टी ने एक अभियान के रूप में लिया है।

इसके अलावा वैक्सीनेशन को लेकर अभियाना चलाना है। हर जनपद में हर बूथ में वैक्सीनेशन हो इसके लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने निर्णय लिया और इसका काम सरकार के साथ मिलकर किया जा रहा है।

चिकमगलूर के IDSG सरकारी कॉलेज में आयोजित टीकाकरण अभियान के दौरान छात्र कोविड -19 वैक्सीन की एक खुराक प्राप्त करने के लिए कतार में खड़े हैं।

तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता कोलकाता में कोविड -19 तालाबंदी के दौरान जरूरतमंद लोगों को मुफ्त सब्जियों के बड़े पैमाने पर वितरण में भाग लेते हुए।

शिवसेना डोगरा फ्रंट के कार्यकर्ताओं ने जम्मू में विरोध प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तानी झंडा जलाया।

एक नजर

गणतंत्र दिवस हिंसा : लाल किले पर झंडा फहराने के मामले में वॉन्टेड युवक गिरफ्तार, एक लाख रुपये का था इनाम

नई दिल्ली । गणतंत्र दिवस पर किसानों की ट्रैक्टर परेड के बाद हुई हिंसा के दौरान लाल किले पर झंडा फहराने के मामले में वॉन्टेड और एक लाख रुपये के इनामी आरोपी को दिल्ली पुलिस की स्पेशल ने पंजाब से गिरफ्तार कर लिया है।जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान गुरजोत सिंह के तौर पर हुई है। गुरजोत पर लाल किला हिंसा मामले में वॉन्टेड था और उसकी गिरफ्तारी पर 1 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उसे पंजाब के अमृतसर से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उसे दिल्ली लेकर आ रही है।

हिंसा में 500 से अधिक पुलिसकर्मी हुए थे घायल – गौरतलब है कि 26 जनवरी को हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी किसान बैरिकेड्स को तोड़कर राजधानी में दाखिल हो गए थे और आईटीओ सहित अन्य स्थानों पर उनकी पुलिस कर्मियों से झड़पें हुई थीं। कई प्रदर्शनकारी ट्रैक्टर चलाते हुए लाल किला पहुंच गए और ऐतिहासिक स्मारक में प्रवेश कर गए तथा उसकी प्राचीर पर एक धार्मिक झंडा लगा दिया। इस हिंसा में 500 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए थे, जबकि एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई थी। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में अपनी चार्जशीट कोर्ट में दायर कर दी है। दिल्ली में हुई हिंसा को लेकर विभिन्न व्यक्तियों के खिलाफ 38 मामले दर्ज किए गए हैं। दिल्ली पुलिस का आरोप है कि किसानों की ट्रैक्टर रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों ने कथित रूप से पहले से तय मार्ग का पालन नहीं किया और दिल्ली में प्रवेश करने के लिए बैरिकेड्स तोड़ दिए थे। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर हमला करने के साथ ही राजधानी के कई हिस्सों में तोड़फोड़ की थी। इसके बाद वो लाल किले में भी घुस गए और प्राचीर से झंडे को उखाड़ दिया था, जिनमें से दीप सिद्धू मुख्य आरोपी है।

फिर 50 हजार से कम कोरोना के नए केस, 13 अप्रैल के बाद एक हजार ने नीचे आया मौतों का आंकड़ा

नई दिल्ली । पिछले 24 घंटे के अंदर भारत में कोरोना वायरस के 46 हजार 148 नए मामले दर्ज किए गए हैं। इसके साथ ही अब देश में कोरोना के इलाजरत मरीजों का आंकड़ा भी घटकर 5 लाख 72 हजार 994 पर आ गया है, जो कि कुल मामलों का सिर्फ 1.89 फीसदी है। कोरोना के मामले कम होने के साथ ही भारत ने टीकाकरण में भी रिकॉर्ड बना लिया है। कुल टीकाकरण के मामले में भारत ने अब अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया है।

इस दौरान राहत की बात यह भी है कि देश में कोरोना से हर दिन हो रही मौतों का आंकड़ा भी 1 हजार से नीचे आ गया है। पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना से 979 लोगों ने दम तोड़ा है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले एक दिन में कोरोना के 58 हजार 578 मरीज ठीक हुए हैं। लगातार 46वें दिन से भारत में कोरोना से ठीक होने वालों का आंकड़ा इसके नए मामलों से ज्यादा रहा है। देश में अब कोरोना से ठीक होने वालों की दर भी बढ़कर 96.80 फीसदी हो गई है। साप्ताहिक के साथ ही दैनिक संक्रमण दर भी लगातार 5 फीसदी से नीचे रह रही है। वहीं, आईसीएमआर के मुताबिक भारत में कल कोरोना वायरस के लिए 15 लाख 70 हजार 515 सैंपल टेस्ट किए गए, जिसके बाद अब कल तक कुल 40,63,71,279 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं।

तपते रेत के धोरों के बीच ठंड का अहसास देता रेगिस्तान में बसा ये अनूठा स्कूल

जयपुर । रेत के धोरों के लिए प्रसिद्ध राजस्थान के जैसलमेर जिले में बालिका शिक्षा और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर नई पहल हुई है। पाकिस्तान सीमा से सटे जैसलमेर के रेगिस्तान के केंद्र में स्थित पीले बलुआ पत्थर से बनी एक स्कूल की इमारत अपनी विशेष वास्तु कला की कहानी बयां करती है। रेगिस्तान में जहां गर्मी के दिनों में तापमान 50 डिग्री तक पहुंच जाता है, बालिका शिक्षा बिल्कुल नगण्य है, वहां अब लड़कियों को मुफ्त शिक्षा मुहैया कराने के लिहाज से राजकुमारी रत्नावती गर्ल्स स्कूल शुरू किया गया है। गर्मी में जब लू के थपेड़ों से आम आदमी परेशान रहता है तो स्कूल का बेहतर पर्यावरण बालिकाओं के लिए किसी सौगात से कम नहीं है। स्कूल भवन को अंडाकार सरंचना के साथ बनाया गया है। स्कूल भवन में कोई एयरकंडिशनर नहीं है, लेकिन प्रचंड गर्मी में भी यहां राहत मिलती है। खूबसूरत जालीदार दीवार और हवादार छत के साथ ही सौर प्रतिष्ठान शानदार वास्तुकला का उदाहरण है। कोनाई गांव में स्थित इस स्कूल को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। रेत के धोरों के साथ ही स्कूल की इमारत भी पर्यटकों को आकर्षित कर रही है। स्कूल भवन को न्यूयार्क स्थित आर्किटेक्ट डायरला केलौग ने डिजाइन किया है। यहां पढ़ने वाली छात्राओं की यूनिफॉर्म प्रसिद्ध ड्रेस डिजाइनर सब्यसाची मुखर्जी ने तैयार की है। इसमे नीले रंग की घूटनों तक की फ्रॉक के साथ मैरून रंग वेस्ट पैंट का मैच है। माइकल ड्यूब द्वारा स्थापित स्वयंसेवी संस्था सीआईटीटीए ने इस स्कूल को वित्त पोषित किया है। जैसलमेर राजपरिवार के सदस्य चैतन्य राज सिंह और बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले मानवेंद्र सिंह ने मिलकर यह स्कूल बनाया है। मानवेंद्र सिंह का कहना है कि स्कूल खोलने का मकसद बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि 21 जुलाई से नया शिक्षा सत्र शुरू करने की योजना है। स्कूल में 400 छात्राओं को पढ़ाने की क्षमता है। मुफ्त शिक्षा के साथ ही दोपहर का भोजन भी स्कूल द्वारा ही उपलब्ध करवाया जाएगा।

कक्षा 10 तक यहां छात्राओं को पढ़ाने के साथ ही कंप्यूटर और अंग्रेजी बोलने का विशेष तौर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा । मानवेंद्र सिंह ने बताया कि नाम राजकुमारी रत्नावती गर्ल्स स्कूल रखने का मकसद छात्राओं में आत्मविश्वास और हिम्मत पैदा करना है। उन्होंने बताया कि राजकुमारी रत्नावती के बारे में कहा जाता है कि जब उनके पिता महारावल रत्नसिंह महल को उनके भरोसे छोड़कर युद्ध में जा रहे थे तो उन्होंने कहा था कि पिता जी आप चिंता मत किजिए मैं इस महल का बाल भी बांका नहीं होने दूंगी। इसी दौरान जब दिल्ली के बादशाह अलाउद्दीन खिलजी की सेना हमला करने आती हैं तो ललकारती है, मैं एक स्त्री हूं, लेकिन अबला नहीं, मुझमे मर्दों जैसा साहस और हिम्मत है। उन्होंने महल की रक्षा कर इस बात को साबित कर दिखाया था। उन्होंने मुगल सेना के सेनापति काफूर सहित 100 सैनिकों को बंधक बना लिया था।

चीन के खिलाफ आक्रामक हुआ भारत, सीमा पर 50,000 अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती

नई दिल्ली । भारत ने चीन सीमा पर अपनी रणनीति में आक्रामक बदलाव करते हुए 50,000 अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की है। भले ही चीन और भारत के बीच 1962 में युद्ध हुआ था, लेकिन आमतौर पर भारतीय सेना का फोकस पाकिस्तान से लगती सीमा ही रही है। लेकिन बीते कुछ सालों में चीन सीमा पर भी तेजी से परिदृश्य बदला है। ड्रैगन की ओर से सीमा पर अतिक्रमण, इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण और सेना एवं हथियारों की तैनाती में इजाफा किए जाने के चलते इस मोर्चे पर भी सतर्कता बढ़ गई है।

बीते साल लद्दाख के पास गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प देखने को मिली है। इसके बाद अब यह फैसला भारत की रणनीति में अहम बदलाव का संकेत है।

एक तरफ भारत ने पाकिस्तान के साथ एलओसी पर सीजफायर पर सहमति जताई है तो वहीं चीन के मोर्चे पर सतर्कता बरतते हुए सैनिकों की संख्या में इजाफा किया है। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले 4 लोगों ने भारत ने चीन सीमा से लगते तीन जिलों में सैनिकों की तैनाती बढ़ाई है। इसके अलावा फाइटर जेट्स की संख्या में भी इजाफा किया है। फिलहाल भारतीय सेना के 2 लाख जवाब बॉर्डर पर तैनात हैं। ब्लूमबर्ग

की रिपोर्ट के मुताबिक बीते एक साल में सैनिकों की तैनाती में 40 फीसदी का इजाफा होने के चलते यह संख्या इतनी बढ़ गई है।

इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि अब तक सीमा पर भारतीय सेना की तैनाती इस लिहाज से की जाती थी कि चीन के किसी कदम को रोका जा सके। लेकिन अब तैनाती में इजाफा होने के चलते भारतीय सेना के पास विकल्प होगा कि वह आक्रामक जवाब दे सके। इस रणनीति को ऑफेंसिव डिफेंस के तौर पर जाना जाता है। दरअसल सीमा पर बीते कुछ वक्त में चीन ने भी अपने सैनिकों की संख्या बढ़ाई है। भारत ने सैनिकों की तैनाती में इजाफे के साथ ही हथियारों की मूवमेंट को लेकर भी प्लान तैयार किया है। बता दें कि चीन ने भारत से लगते सीमांत इलाकों में तेजी से इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास किया है। रनवे बिल्डिंग्स, बम प्रूफ बंकरों और नए एयरफील्ड आदि का विकास किया है। यही नहीं तिब्बत में चीन की ओर से बीते सप्ताह ही बुलेट ट्रेन का संचालन शुरू किया गया है। इसके अलावा लॉन्ग रेंज आर्टिलरी, टैंक, रॉकेट रेजिमेंट्स और टू-इंजन फाइटर जेट्स की तैनाती चीन की ओर से की गई है।

गूगल और फेसबुक को संसदीय पैनल ने भेजा समन, मंगलवार को पेशी, मिसयूज और जनता के अधिकार पर होगी बात

नई दिल्ली । सोशल मीडिया के बेजा इस्तेमाल और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के मुद्दे पर चर्चा के लिए आईटी मामलों की संसदीय समिति ने फेसबुक और गूगल को समन जारी किया है। दोनों कंपनियों के प्रतिनिधियों को मंगलवार को पैनल के समक्ष पेश होने को कहा गया है ताकि इन मुद्दों पर चर्चा की जा सके। इन दोनों दिग्गज टेक कंपनियों को नए आईटी नियमों को लेकर ट्विटर के अधिकारियों से बातचीत के 10 दिन बाद समन जारी किया गया है। इस मीटिंग के दौरान यूजर्स की ओर से प्लेटफॉर्म पर अपलोड की जाने वाली सामग्री और भारत में लागू कानूनों को लागू करने को लेकर बात की जाएगी। इससे पहले ट्विटर की टीम ने संसदीय समिति से कहा था कि वह अपनी नीतियों का ही पालन करता है। इस मीटिंग के दौरान संसदीय समिति ने ट्विटर को बताया था कि भारत कानून सर्वोच्च है और उसे यहां उसके मुताबिक ही काम करना होगा। यह मीटिंग भी ऐसे वक्त में होने वाली है, जब केंद्र सरकार और ट्विटर के बीच नए आईटी नियमों को लेकर छिड़ा विवाद खत्म नहीं हुआ है।

केंद्र सरकार ने ट्विटर से कहा है कि उसे भारत के उन नियमों का पालन करना ही होगा, जिन्हें लोगों की रक्षा के मकसद से लागू किया गया है। यही नहीं इसी विवाद के बीच शुक्रवार को ट्विटर ने एक घंटे के लिए देश के आईटी मिनिस्टर रविशंकर प्रसाद के ही अकाउंट को ब्लॉक कर दिया था। हालांकि बाद में सफाई में कहा गया था कि कॉपीराइट के नियमों के उल्लंघन के चलते ऐसी कार्रवाई हुई है।

भारत में 26 मई से नए आईटी नियमों को लागू किया गया है। इन्हें फॉलो न करने के चलते ट्विटर से पहले भी भारत में मिल रही लीगल इम्युनिटी को वापस ले लिया गया है। इसका अर्थ यह हुआ कि ट्विटर पर यह नहीं कह सकता कि वह सिर्फ एक प्लेटफॉर्म है। अब उसके मंच पर शेयर होने वाले किसी भी कॉन्टेंट के लिए उसे जिम्मेदार माना जाएगा। यहीं पुलिस और प्रशासन को उसके खिलाफ कार्रवाई करने का भी अधिकार होगा। हाल ही में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, आरएसएस चीफ मोहन भागवत समेत कई लोगों के अकाउंट से ब्लू टिक हटाए जाने के चलते भी ट्विटर विवादों में आ गया था। हालांकि इन अकाउंट्स के ब्लू बैज को कुछ देर में ही फिर से बहाल कर दिया गया।

15 साल के ईशान कपूर को मिला ब्रिटेन का प्रतिष्ठित डायना अवॉर्ड, जानिए इसकी वजह

नई दिल्ली । दिल्ली के एक 15 वर्षीय लड़के को अपने सामाजिक कार्यों से दैनिक जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और उसे कायम रखते हुए ऊपर उठने के लिए ब्रिटेन के प्रतिष्ठित डायना पुरस्कार से नवाजा गया है।

ब्रिटेन के वेलिंगटन कॉलेज के एक छात्र ईशान कपूर को सामाजिक कार्य या मानवीय प्रयासों के लिए एक युवा व्यक्ति द्वारा प्राप्त की जाने वाले सर्वोच्च पुरस्कार - द डायना अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। ईशान श्री रामकृष्ण आश्रम नई दिल्ली के साथ काम करते हैं। वह हाशिए पर रहने वाली लड़कियों को स्कूल ड्रेस दिलाने में मदद करते हैं।

ईशान ने 5000 पाउंड जुटाने और शिक्षकों और छात्रों के लिए लगभग 100 लैपटॉप और टैबलेट एकत्र करने के लिए एक महत्वाकांक्षी अभियान तैयार किया और वितरित किया, इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया कि लंबे राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान पढ़ाई जारी रखने के लिए सभी के पास ऑनलाइन कनेक्शन हो। डायना पुरस्कार वेल्स की राजकुमारी डायना की स्मृति में दिया जाता है। यह पुरस्कार उसी नाम के चैरिटी द्वारा दिया जाता है और इसमें उनके दोनों बेटों, द ड्यूक ऑफ कैम्ब्रिज और द ड्यूक ऑफ ससेक्स का सहयोग प्राप्त है। ईशान अपने समुदाय में एक उत्कृष्ट उदाहरण है। उनकी करुणा और समर्पण ने युवाओं को कई बाधाओं के बावजूद अपनी शिक्षा जारी रखने में सक्षम बनाया है। डायना अवॉर्ड के सीईओ टेसी ओजो ने कहा, हम यूके और दुनिया भर से अपने सभी नए डायना पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई देते हैं जो अपनी पीढ़ी के लिए चेंजमेकर हैं। हम जानते हैं कि यह सम्मान प्राप्त करके वे अधिक युवाओं को अपने समुदायों में शामिल होने और सक्रिय नागरिकों के रूप में अपना सफर शुरू करने के लिए प्रेरित करेंगे। बीस वर्षों से डायना अवॉर्ड ने युवाओं को अपने समुदायों और दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मूल्यवान और निवेश किया है। इस अवॉर्ड के प्राप्त होने वाले नामांकनों को क्राइटेरिया गाइड और स्कोरिंग गाइड का उपयोग करके आंका जाता है जो कि युवाओं के सामाजिक कार्यों की गुणवत्ता को मापने के लिए बनाया गया है।

बिहार-यूपी में जमकर बारिश, दिल्ली मॉनसून के लिए अब भी तरस रहा

नई दिल्ली । बिहार, झारखंड महाराष्ट्र समेत देश के कई राज्यों में मॉनसून का आगमन हो चुका है। एक तरफ कई राज्यों में झमाझम बारिश हो रही है। वहीं दूसरी तरफ देश की राजधानी में गर्मी से राहत नहीं है। मौसम विभाग ने कहा है कि दिल्ली में अभी छह दिनों तक बारिश के आसार नहीं है। वहीं मौसम विभाग ने कहा है कि बिहार, झारखंड में दो दिन भारी बारिश होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश में भी मॉनसून सक्रिय नजर आ रहा है। मौसम विभाग ने कहा है कि पूर्वांचल के कुछ जिलों में भारी बारिश हो सकती है साथ ही यलो वार्निंग भी जारी की है। अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तरी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गरज के साथ बारिश हो सकती है। वहीं, कुछ जगहों पर बिजली गिरने की भी संभावना है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को एक ताजा मौसम अलर्ट जारी किया, जिसमें अगले पांच दिनों के दौरान 1 जुलाई तक कई राज्यों में भारी बारिश और आंधी की भविष्यवाणी की गई। वहीं, उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भारी की भविष्यवाणी की है। वहीं आज के बाद बरिश में कमी आएगी। इधर दिल्ली, पंजाब, हरियाणा सहित पर राजस्थान व मध्य प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में मौसम शुष्क और हल्का गर्म रहेगा। अगले 5 दिनों के दौरान पश्चिम बंगाल और सिक्किम और पूर्वोत्तर राज्यों में व्यापक रूप से व्यापक वर्षा होने की संभावना है। मेघालय में भारी से बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है; 27 और 28 तारीख को अरुणाचल प्रदेश; 30 जून और 1 जुलाई को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश होगी।

दिल्ली में मॉनसून में देरी

पश्चिमी हवाओं के चलते अभी राजधानी दिल्ली से मानसून दूर रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक अगले छह दिनों यानी तीन जुलाई तक हवा का रुख मुख्यतया पश्चिम की तरफ से रहेगा। इसके चलते अभी मानसूनी गतिविधियों की प्रगति की संभावना बेहद कम है।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले चार दिनों के बीच सुबह से ही तेज चमकीला सूरज निकलने की संभावना है। इस दौरान हल्के बादलों की आवजाही रह सकती है। लेकिन, धूप की तेजी के चलते तापमान में इजाफा होगा। अगले चार दिनों के बीच तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहने की संभावना है। इस दौरान बीच-बीच में हवा की गति 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे तक की हो सकती है। हवा की दिशा मुख्यतया उत्तर पश्चिमी, पश्चमी और उत्तरी रहेगी। इसके चलते दिल्ली की हवा में आने वाली धूल की मात्रा भी ज्यादा रहेगी।

आप नेता गोपाल इटालिया का हिंदू समाज ने किया विरोध, सोमनाथ मंदिर में दर्शन किए बगैर ही लौटे

अहमदाबाद । सोमनाथ मंदिर के दर्शन करने पहुंचे आप नेता गोपाल इटालिया का हिंदू समाज के लोगों ने विरोध किया। पुजारी व कथावाचकों के खिलाफ पूर्व में दिए गए उनके बयानों को लेकर कुछ लोग नाराज हैं। विरोध को देखते हुए इटालिया मंदिर के बाहर से ही कार में बैठकर रवाना हो गए। इस घटना को लेकर आप नेता ने पुलिस को शिकायत की है कि भाजपा से जुड़े कुछ लोग उनका विरोध कर रहे हैं तथा मंदिर दर्शन करने जाते समय उन पर हमला किया। इस बीच आप के गुजरात अध्यक्ष गोपाल इटालिया हिंदू समाज से माफी मांगी है। हिंदू परंपरा व कथा वाचकों खिलाफ अपने बयानों के लिए उन्होंने खेद जताया है।

जानें क्या कहा था गोपाल इटालिया ने– दिल्ली के उप मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के कद्दावर नेता मनीष सिसोदिया की गुजरात यात्रा के एक दिन बाद ही आप के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया ने कहा की पूर्व में उनके द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर हिंदू समाज की आस्था को ठेस पहुंची हो तो वे इसके लिए माफी मांगते हैं।

इटालिया ने दो-तीन साल पहले हिंदू धर्म में कथा वाचन व कथा वाचकों पर प्रहार करते हुए कहा था कि आम आदमी मेहनत करके खाता है लेकिन पुजारी, कथावाचक, लोगों को भविष्य बताने वाले लोग बैठे-बैठे लोगों को ठगते हैं। उनका मानना था कि कथावाचक व पुजारी आम आदमी को धर्म का डर दिखाते हैं तथा उन से पैसे ऐंठते हैं। समाज में हर व्यक्ति मेहनत कमाकर खाता है लेकिन पुजारी, कथा वाचक आदि लोग धर्म का धंधा करते हैं। हालांकि इटालिया की यह टिप्पणियां उनके आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष बनने के पहले की थी।

कमजोर न पड़ जाए कोरोना पर प्रहार, जुलाई में राज्यों को सिर्फ 12 करोड़ टीके ही देगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने कहा था कि वह जुलाई-अगस्त से हर दिन करीब 1 करोड़ टीके लगाकर इस साल के अंत तक देश की व्यस्क आबादी का टीकाकरण पूरा कर लेगी। हालांकि, एक दिन में एक करोड़ टीके लगाए जाने का लक्ष्य अगले माह भी पूरा होता नहीं दिख रहा है। दरअसल, जुलाई में केंद्र सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कोरोना रोधी टीके की 12 करोड़ खुराकें मुहैया करवाएगी। इसमें से 10 करोड़ डोज जहां कोविशील्ड की होंगी तो वहीं 2 करोड़ खुराकें कोवैक्सीन की होगी।

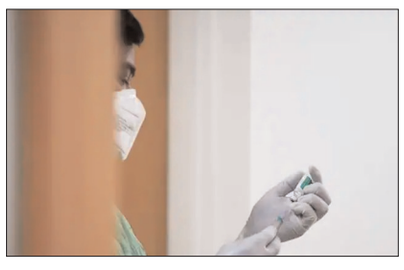

वैक्सीन की 12 करोड़ खुराकों में से 75 फीसदी को केंद्र द्वार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दिया जाएगा तो वहीं नई वैक्सीन नीति के तहत 25 फीसदी वैक्सीन निजी अस्पतालों के लिए रहेंगी। बता दें कि 21 जून से 27 जून का हफ्ता टीकाकरण के लिहाज से भारत के लिए सबसे बेहतर रहा है। इस हफ्ते में हर दिन औसतन 60 लाख टीके लगे हैं।

हालांकि, एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगले माह टीकाकरण की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। 12 करोड़ टीकों के हिसाब से हर दिन औसतन देश में 40 लाख खुराकें ही दी जाएंगी। जून माह में रविवार यानी 27 जून तक देश के अंदर 10.6 करोड़ खुराकें लगाई गई हैं। सिर्फ इसी हफ्ते देश में 4.2 करोड़ खुराकें दी गई हैं। बता दें कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय आगामी माह के लिए राज्यों को पहले से ही यह जानकारी दे देता है कि उन्हें टीके की कितनी डोज मिलने वाली हैं, ताकि टीकाकरण का संचालन उसी के अनुरूप हो सके।

देश में फिलहाल कोविशील्ड और कोवैक्सीन, दो टीकों के जरिए केंद्र सरकार वैक्सीनेशन प्रोग्राम चला रही है। इसके अलावा रूस की कोरोना रोधी वैक्सीन स्पूतनिक वी को भी भारत में 13 अप्रैल को आपात इस्तेमाल की मंजूरी मिल गई थी और यह अब कुछ निजी अस्पतालों में उपलब्ध है। भारत में अभी तक कुल 26.5 करोड़ लोगों को कोरोना टीके की 37.1 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। इनमें से 20.9 करोड़ लोगों को जहां कोरोना टीके की पहली खुराक लगी है तो वहीं 5.64 करोड़ लोग टीके की दोनों डोज ले चुके हैं। अगस्त माह में हर दिन एक करोड़ टीके देने के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए देश को 30 करोड़ से ज्यादा खुराकों की जरूरत होगी।

केरल में सीपीएम की कार्यकर्ता से हुआ रेप, पार्टी के ही दो आरोपी नेता गिरफ्तार

कोच्चि । केरल पुलिस ने सीपीएम के दो नेताओं को पार्टी की ही एक कार्यकर्ता से रेप के आरोप में गिरफ्तार किया है। उत्तर केरल के कोझिकोड जिले के वडाकरा इलाके में तीन महीने पहले हुई घटना के मामले में यह कार्रवाई की गई है। पार्टी की ओर से दोनों ही नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। इन आरोपी नेताओं में से एक मुल्लीयेरी ब्रांच सेक्रेटरी बाबूराज और डीवाईएफआई के नेता टीपी लिंजेश हैं। पीड़ित महिला की ओर से बीते सप्ताह शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। महिला ने देरी से शिकायत कराने को लेकर कहा कि उस पर काफी दबाव था और तमाम धमकियां दी जा रही थीं। यह भी कहा जा रहा था कि उसे फर्जी केसों में फंसा दिया जाएगा। महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि तीन महीने पहले

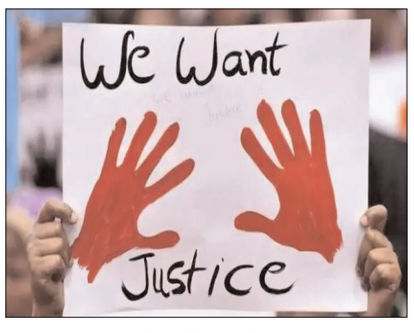

बाबूराज ने उन्हें अपने घर पर इलेक्शन की चर्चा के लिए बुलाया था और वहां उससे रेप किया गया। यही नहीं महिला ने कहा कि बाबूराज ने धमकी देते हुए इसके बाद भी कई बार रेप किया। बाबूराज ने धमकी दी थी कि यदि वह उसके संबंध नहीं बनाएगी तो वह उसके पति का बता देगा। महिला ने कहा कि इस घटना की जानकारी जब लिंजेश को मिली तो उसने भी मेरा उत्पीड़न करना शुरू कर दिया। सीपीएम की महिला कार्यकर्ता ने कहा कि इस घटना से वह इतनी ज्यादा परेशान थीं कि कई बार तो आत्महत्या तक करने के बारे में भी विचार किया।

महिला ने कहा कि आखिर मैंने हिम्मत करके इस घटना के बारे में पति को बताया और फिर दोनों ने मिलकर पुलिस को जानकारी दी। कहा यह भी जा रहा है कि उन्होंने पार्टी लीडरशिप से भी इस संबंध में संपर्क किया था, जिन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस में जाकर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। इस घटना के सामने आने के बाद कांग्रेस और बीजेपी ने सीपीएम की आलोचना शुरू कर दी है। यही नहीं दोनों विपक्षी दलों ने आरोपियों को गिरफ्तार करने में भी लापरवाही का आरोप लगाया है। विपक्षी दलों का कहना है कि यदि पुलिस लापरवाही करती है तो उनकी ओर से आंदोलन शुरू किया जाएगा।

प्रभास ने ठुकराया करोड़ों का एड

जहां एक ओर कई कलाकर ऐसे हैं जो पैसे की खातिर गुटखा और शराब का विज्ञापन करने में भी नहीं हिचकते जिससे की उनके करोड़ों फैंस के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचता है, वहीं बाहुबली प्रभास जैसे सुपरस्टार भी हैं जो करोड़ों के विज्ञापन को लात मारने में देर नहीं लगाते। भारत में प्रभास लोकप्रिय नाम है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक उनके फैंस हैं। ऐसे में विज्ञापन कंपनियां उन पर दांव लगाना चाहती हैं। उन्हें अपना ब्रैंड एम्बेसेडर बनाना चाहती हैं। खबर है कि पिछले एक साल में प्रभास को 150 करोड़ रुपए से ज्यादा के ब्रांड एंडोर्समेंट ऑफर मिले, लेकिन प्रभास ने सभी को रिजेक्ट कर दिया। इसके पीछे प्रभास का मानना है कि वे अपने फैंस के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। वे ऐसी किसी चीज का विज्ञापन नहीं करना चाहते जिसके इस्तेमाल में वे खुद कंफर्टेबल महसूस ना करते हों। ऐसा नहीं है कि वे विज्ञापन नहीं करेंगे। लेकिन उन्हीं वस्तुओं का विज्ञापन करेंगे जिसे वे पसंद करते हों। उन्हें पता है कि वे किसी चीज का विज्ञापन करेंगे तो उनके फैंस बिना सोचे समझे फौरन उसका इस्तेमाल शुरू कर देंगे।

शाहरुख खान अपने खास दिन कर रहे हैं पठान की शूटिंग

शाहरुख खान को आज बॉलीवुड में 29 वर्ष पूरे हो गए हैं। उनकी पहली रिलीज 'दीवाना' 25 जून 1992 को रिलीज हुई थी। इस मौके पर शाहरुख ने अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। इस खास दिन को शाहरुख शूटिंग करते हुए मना रहे हैं। शाहरुख ने मुंबई में यशराज फिल्म्स स्टूडियो में अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म पठान की शूटिंग फिर से शुरू कर दी है। पठान के सेट के बाहर सुपरस्टार कार देखी गई। कोरोना की दूसरी लहर के कमजोर होते ही लॉकडाउन में ढील दी गई और उसके बाद पठान ने अपना शूटिंग शेड्यूल फिर से शुरू कर दिया है। अभी केवल किंग खान शूटिंग कर रहे हैं। जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण अगले कुछ दिनों में शुरू होने वाले हैं। फिल्म के एक बड़े हिस्से की शूटिंग इस शेड्यूल में की जाएगी। इसके बाद टीम एक्शन और बड़े पैमाने पर दृश्यों की शूटिंग के लिए अंतरराष्ट्रीय स्थानों पर पहुंचेगी। पठान का निर्माण आदित्य चोपड़ा कर रहे हैं। आदित्य कई बड़ी फिल्मों पर काम कर रहे हैं। इनमें सलमान खान की टाइगर 3, जुनैद खान की पहली महाराज, सैफ अली खान, रानी मुखर्जी, सिद्धांत चतुर्वेदी की बंटी और बबली 2, विक्की कौशल की अगली मूवी, रणवीर सिंह की जयेशभाई जोरदार, रणबीर कपूर की शमशेरा जैसी फिल्में हैं। इनमें से कुछ रिलीज के लिए तैयार हैं।

अजय देवगन बनाएंगे तेलुगु हिट नंदी का हिंदी रीमेक

अजय देवगन इन दिनों एक्टिंग के साथ-साथ बतौर प्रोड्यूसर भी व्यस्त हैं और कई फिल्मों पर काम कर रहे हैं। अजय और वी. वेंकट रमना रेड्डी उर्फ दिल राजू पहली बार एक जबरदस्त कहानी को सामने लाने के लिए साथ आ रहे हैं। दो दिग्गजों ने फिल्म के हिंदी रीमेक के लिए 2021 की तेलुगु हिट मूवी नंदी के अधिकार हासिल कर लिए हैं। नंदी एक क्राइम कोर्ट रूम ड्रामा है। इस फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों ने एक साथ पसंद कर सफल बनाया था। निर्माता अजय देवगन कहते हैं, 'नंदी एक महत्वपूर्ण फिल्म है, जो प्रशासन में कुछ खामियों को उजागर करती है। दिल राजू और मैंने ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचाने के लिए इस फिल्म का हिंदी में रीमेक बनाने के लिए हाथ मिलाने का फैसला किया है। स्क्रिप्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है।' निर्माता दिल राजू ने कहा, 'नंदी एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बनी? फिल्म है और हम इस कहानी को हिंदी भाषी दर्शकों तक ले जाने के लिए उत्सुक हैं। मैं इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर अजय देवगन के साथ जुड़ कर बहुत खुश हूं। फिल्म के बाकी डिटेल्स जल्दी ही साझा करेंगे।' स्क्रिप्ट फाइनल होते ही कलाकारों का चयन होगा और जल्दी ही इस बारे में घोषणा की जाएगी।

करिश्मा कपूर ने जब किया था अपने पति के कारनामों का भंडाफोड़

करिश्मा कपूर की वैवाहिक जीवन बहुत खराब रहा। पति संजय कपूर से उनके रिश्ते इतने खराब हो गए कि करिश्मा ने उनके बारे में सार्वजनिक रूप से भला-बुरा कहा। इस रिश्ते को उन्होंने संभालने की बहुत कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिल पाई। आखिरकार तलाक लेकर उन्होंने इस रिश्ते से मुक्ति पाई। आइए जानते हैं तब उन्होंने अपने पति के बारे में क्या-क्या कहा था।

-करिश्मा के अनुसार उनके 4 महीने की बेटे के तबियत खराब थी, जिसके कारण वह पति के साथ यूके ट्रिप पर नहीं जा सकी। इससे संजय बेहद नाराज हुए और अकेले ही चले गए। बाद में करिश्मा यूके पहुंचीं तो संजय रात-रात भर गायब रहते थे। उन्हें अपने बेटे की तबियत से कोई लेना-देना नहीं था। उनके लिए गोल्फ खेलना ज्यादा महत्वपूर्ण था।

-हनीमून के दौरान ही करिश्मा के सामने संजय अपने भाई के साथ यह चर्चा कर रहे थे कि करिश्मा कितने पैसे ला सकती हैं। इससे करिश्मा चकित रह गईं।

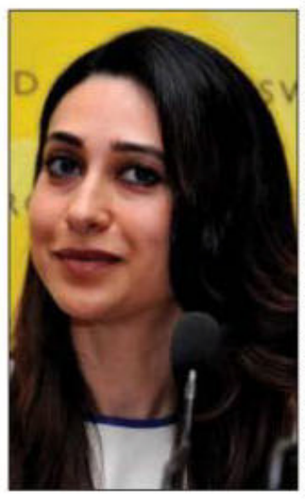

-एक बार संजय ने करिश्मा से अपनी मां द्वारा दी गई ड्रेस पहनने को कहा। चूंकि करिश्मा प्रेग्नेंट थीं इसलिए वह ड्रेस उन्हें फिट नहीं हो रही थी। यह देख संजय बेहद नाराज हो गए। उन्होंने अपनी मां को करिश्मा को थप्पड़ लगाने के लिए कहा।

-संजय अक्सर करिश्मा से दुर्व्यवहार करते थे। मारपीट भी करते थे। चोट के निशान करिश्मा मेकअप के सहारे छिपाती थी। संजय की मां की इसमें मौन स्वीकृति थी।

-करिश्मा के अनुसार वे अपने पति के लिए महज एक ट्रॉफी थीं और यह शादी उनके लिए ट्रॉफी जीतने समान था।

-शादी के पहले भी संजय ने करिश्मा की मां बबीता से बदतमीजी की? थी। इससे करिश्मा ने शादी नहीं करने का निर्णय ले लिया था, लेकिन बाद में उन्हें मना लिया गया।

-रणधीर कपूर इस शादी से कभी खुश नहीं थे। रणधीर के अनुसार उनका दामाद कितना अय्याश है ये बात पूरी दिल्ली जानती है।

सत्यनारायण की कथा में कार्तिक की हीरोइन हो गई फाइनल!

साजिद नाडियाडवाला ने कुछ दिन पहले म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म सत्यनारायण की कथा को बनाने का ऐलान किया था, जिसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में हैं। कार्तिक के अलावा किसी भी अन्य कलाकार का नाम घोषित नहीं किया गया। सभी जानने के लिए उत्सुक हैं कि इस फिल्म में कार्तिक की हीरोइन कौन होगी? तो आइए बताते हैं कि बॉलीवुड खबरचियों ने हमें इस बारे में क्या बताया। एक सूत्र ने कहा 'साजिद नाडियाडवाला ने इस फिल्म का ऑफर सबसे पहले श्रद्धा कपूर को दिया है। स्क्रिप्ट उन्हें बहुत पसंद आई है और वह फिल्म का हिस्सा बनने के लिए सहमत हो गई हैं। आने वाले दिनों में इस बात की घोषणा होगी। श्रद्धा और कार्तिक पहली बार साथ काम करेंगे। उनकी जोड़ी में ताजगी नजर आएगी। हालांकि यह मुख्य रूप से कार्तिक की कहानी है, लेकिन श्रद्धा का रोल भी कम महत्वपूर्ण नहीं है।' ' श्रद्धा और कार्तिक को साथ में पहली बार लाने की कोशिश निर्माता दिनेश विजन ने की थी, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। एक और फिल्म का ऑफर दोनों को मिला था, तब भी बात नहीं बनी थी। शायद इस बार यह जोड़ी जम जाए।

सोनू सूद बेच रहे हैं अंडे-ब्रेड, साइकल पर सुपरमार्केट

लोगों की मदद करने के साथ-साथ सोनू सूद सोशल मीडिया पर मजेदार पोस्ट करते रहते हैं। कभी वे ढाबा खोल लेते हैं तो कभी चाकू-छूरी की धार तेज करते नजर आते हैं। अब सोनू ने एक वीडियो डाला है जिसमें वे ब्रेड और अंडे बेचने की बात करते नजर आ रहे हैं। इसे उन्होंने सोनू सूद की सुपरमार्केट नाम दिया है। एक साइकल पर उन्होंने बहुत सारा सामान लाद रखा है। कई झोले टंगे हैं जिनमें ब्रेड है। पीछे अंडे की कैरेट है। सोनू इसे सुपर मार्केट कहते हैं और अंडा 6 रुपये और ब्रेड का दाम 40 रुपये बताते हैं। और भी कई सामान उनके झोले में नजर आता है। कोरोना काल में सोनू सूद मसीहा बन कर उभरे हैं और उन्होंने हजारों लोगों की मदद की है जिसके कारण वे लोकप्रियता में कई दिग्गजों से आगे निकल गए हैं।

खतरों के खिलाड़ी: श्वेता तिवारी, अर्जुन? बिजलानी सहित ये हैं टॉप 5 फाइनलिस्ट!

खतरों के खिलाड़ी 11 की शूटिंग भले ही विदेश में हो रही थी, लेकिन भारत में इसके लगातार चर्चे हो रहे हैं। रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किया गया यह शो अब टेलीविजन प्रीमियर के लिए तैयार है। रोहित शेट्टी और सारे प्रतियोगी भारत लौट आए हैं। कुछ रिपोर्ट्स से पता चला है कि टॉप 5 फाइनलिस्ट में किसने जगह बनाई है। दिव्यांका त्रिपाठी, वरुण सूद, श्वेता तिवारी, अर्जुन बिजलानी और आदित्य सिंह के बारे में कहा जा रहा है कि ये पांचों अंतिम दौड़ में पहुंचे हैं। हालांकि फाइनल टास्क हो चुका है, लेकिन विजेता का नाम एक लाइव इवेंट में बताया जाएगा। इस बार कई नामी लोग इस शो में नजर आएंगे। इन पांचों के अलावा राहुल वैद्य, निक्की तंबोली, आस्था गिल, सना मकबुल, सौरभ राज जैन, महक चहल और अनुष्का सेन भी प्रतियोगी के रूप में शामिल हुए हैं। अब इस शो के टीवी पर प्रसारित होने का इंतजार है।

यूएई में अब तक आईसीसी ने नहीं किया है बड़े टूर्नामेंटों का आयोजन

दुबई, (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड दोनो के लिए ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) एक भरोसेमंद मैच स्थल के तौर पर उभरा है। इसी को देखते हुए भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने यहां आईपीएल के बचे हुए मैचों के बाद टी20 विश्व कप को भी रखा है।

कोरोना संक्रमण के कारण भारत को बीच में ही आईपीएल को स्थगित करना पड़ा था। वहीं टी20 विश्व कप के लिए भी भारत ने यूएई को मेजबान बनाया है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी अपने पीएसएल मैचो का आयोजन यहीं किया है। कई अंतरराष्ट्रीय टूनामेंट के सफल आयोजन के बाद भी अभी तक यूएई आईसीसी का भरोसेमंद मैच स्थल नहीं बन पाया है। आईसीसी ने सीधे तौर पर अब तक यूएई में कोई बड़ा इवेंट आयोजित नहीं किया है। यूएई में अबुधाबी, शारजाह और दुबई तीन बड़े वेन्यू हैं।

अफगानिस्तान भी अंतरराष्ट्रीय मुकाबले यहां खेलने की तैयारी कर रहा है। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी केविन पीटरसन ने कहा था कि आईसीसी को बड़े इवेंट के लिए यूएई की ओर देखना चाहिए क्योंकि यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं, शानदार स्टेडियम और मौसम की बाधाएं नहीं हैं।

वहीं बीसीसीआई के लिए यूएई एक भरोसेमंद स्थल बनकर उभरा है। पिछले सीजन में जब कोरोना के कारण आईपीएल का आयोजन मुश्किल था। तब बीसीसीआई ने यूएई में ही पूरे सत्र के मुकाबले कराए थे। इससे बीसीसीआई को लगभग 4000 करोड़ का राजस्व मिला था। वहीं आयोजक के रुप में यूएई बोर्ड को भी लगभग 100 करोड़ रुपए मिले थे। 2014 में भी शुरूआती मुकाबले यूएई में ही कराए गए थे।

बीसीसीआई इस बार भी सितंबर-अक्टूबर में टी20 लीग के बचे मैच का आयोजन भी यूएई में ही करने जा रहा है। अब बीसीसीआई को यूएई में लगातार दो आयोजन कराने हैं। पहले सितंबर-अक्टूबर के बीच आईपीएल। फिर अक्टूबर-नवंबर के बीच टी20 विश्व कप। लगातार दो इवेंट एक ही स्थल पर होने से बीसीसीआई को तैयारी करने में सहूलियत होगी। अधिकारी और स्टाफ एक जगह पर क्वारंटाइन में रहने के बाद दोनों टूनार्मेंट की आसानी से तैयारी कर सकेंगे। इसमें दुनियाभर के खिलाड़ी शामिल होंगे। ऐसे में वे बायो बबल में रहेंगे और टी20 लीग के बाद वे विश्व कप में सीधे उतर सकेंगे।पाक की घरेलू टी20 लीग पीएसएल को 14 मैच बाद ही कोरोना के कारण स्थगित कर दिया गया था। जून में ही बचे 20 मुकाबले यूएई में कराए गए।

अमेरिका की मैकलॉघलिन ने बनाया नया विश्व रिकार्ड

यूजीन, (एजेंसी)। अमेरिका की मैकलॉघलिन ने ओलंपिक ट्रैक ट्रायल्स में नया विश्व रिकार्ड बनाया है। मैकलॉघलिन ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में 51.90 सेकेंड का समय निकालकर यह विश्व रिकार्ड बनाया है। मैकलॉघलिन को इस दौरान ओलंपिक और विश्व चैंपियन डलिलाह मोहम्मद से कड़ी चुनौती मिली पर अंत में वह जीत दर्ज करने में सफल रहीं।

मैकलॉघलिन ने 0.26 सेकेंड से रिकार्ड तोड़ा और डलिलाह को 0.52 सेकेंड से पीछे छोड़ा। वहीं पिछला विश्व रिकार्ड भी डलिलाह के नाम पर ही था। यह उन्होंने साल 2019 में दोहा में विश्व चैंपियनशिप में 52.16 सेकेंड में रेस पूरी कर बनाया था। इस तरह से मैकलॉघलिन पहली महिला एथलीट हैं जिन्होंने 400 मीटर बाधा दौड़ 52 सेकेंड से कम समय में पूरी की है।

यूजीन में पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में जीत के बाद उत्साहित पॉल केलीमो।

सेंट लुइस में महिलाओं की ओलंपिक जिम्नास्टिक में भाग लेती हुई शिमोन बाइल्स।

बल्लेबाजी में नाकामी से हारे दूसरा टी20 : पोलार्ड

जमैका, (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में मिली हार के बाद वेस्टइंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने कहा कि उन्हें निकोलस पूरन के साथ लक्ष्य का पीछा करते हुए सावधानी से खेलना चाहिये था पर वह ऐसा नहीं कर पाये। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा टी20 मैच जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर कर दी है। पोलार्ड ने कहा , दूसरे दिन हमारे गेंदबाजों ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई पर बल्लेबाज नाकाम रहे।

पोलार्ड ने कहा, हमने 7वें से 11 वें ओवर के बीच ही जब तीन विकेट खो दिये थे तभी मैच हमारे हाथ से निकल गया था। हम स्वभाव से आक्रामक खिलाड़ी हैं और यह कोई रहस्य नहीं है पर इन हालातों में मुझे और पूरन को अपनी आक्रामकता को नियंत्रित करने की जरूरत थी। हम इसे टीम के लिए स्वीकार करते हैं। विरोधी टीम के स्पिनरों ने काफी अच्छा काम किया। बीच के ओवरों में, शायद हम थोड़ा और स्ट्राइक रोटेट कर सकते थे। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 166 रन बनाये जिसमें रीजा हेंड्रिक्स ने 42 और कप्तान, टेम्बा बावुमा ने 46 रनों का योगदान दिया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 150 रन ही बना पायी।

शिखर धवन की कप्तानी में टीम इंडिया श्रीलंका के लिए रवाना

मुंबई, (एजेंसी)। शिखर धवन की कप्तानी में टीम इंडिया श्रीलंका की टीम से मुकाबले के लिए तैयार है। टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन अक्टूबर-नवंबर में भारत या यूएई में होना है। इससे पहले टीम इंडिया टी20 की सिर्फ एक इंटरनेशनल सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम श्रीलंका दौरे पर तीन टी20 के अलावा तीन वनडे मुकाबले खेलेगी। सोमवार को रवाना होने वाली भारतीय टीम में कई जूनियर खिलाड़ियों को भी स्थान दिया गया है।

राहुल द्रविड़ को दौरे के लिए कोच बनाया गया है। सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में शिखर धवन को टीम की कमान मिली है। दौरे पर पृथ्वी शॉ, देवदत्त पडिक्कल, ऋतुराज गायकवाड़ सहित जूनियर खिलाड़ी अपना दमदख दिखाएंगे। दूसरी ओर सीनियर खिलाड़ियों की बात की जाए तो लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव के पास फॉर्म हासिल करने का मौका है। दोनों काफी समय से खराब फॉर्म में चल रहे हैं। श्रीलंका में टीम इंडिया के टी20 के रिकॉर्ड को देखें तो यह मेजबान श्रीलंका से अच्छा है। टीम इंडिया ने श्रीलंका में अब तक 13 टी20 इंटरनेशनल खेले हैं। इसमें से 11 में टीम को जीत मिली है जबकि 2 में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

श्रीलंका के खिलाफ सभी टीमों के रिकॉर्ड को देखें तो टीम इंडिया नंबर-1 पर है। टीम इंडिया ने श्रीलंका से अब तक 19 टी20 मैच खेले हैं। 13 में जीत मिली, जबकि 5 में हार सामना करना पड़ा है। एक मैच का रिजल्ट नहीं निकल सका। वहीं पाकिस्तान ने श्रीलंका से 21 में से 13 मैच जीते हैं। 8 में उसे हार मिली है। न्यूजीलैंड ने 19 में से 10 मैच में जीत दर्ज की है। श्रीलंका की टीम को अंतिम पांचों टी20 सीरीज में हार मिली। इस दौरान टीम 4 सीरीज में तो एक भी मैच नहीं जीत सकी है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम को तीन मैचों की सीरीज में 0-3 से हार मिली थी। इसके बाद भारत से 0-2 से, वेस्टइंडीज से 0-2 से, वेस्टइंडीज से 1-2 से और इंग्लैंड से 0-3 से हार मिली। श्रीलंका टीम का प्रदर्शन इंटरनेशनल लेवल पर हर फॉर्मेट में लगातार खराब हो रहा है। बोर्ड और खिलाड़ियों के बीच सैलरी विवाद भी चल रहा है।

श्रीलंका जाने वाली टीमः शिखर धवन (कप्तान), पृथ्वी शॉ, देवदत्त पडिक्कल, ऋतुराज गायकवाड़, सूर्यकुमार यादव, मनीष पांडे, हार्दिक पांड्या, नीतीश राणा, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), युजवेंद्र चहल, राहुल चाहर, के गौतम, क्रुणाल पंड्या, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, भुवनेश्वर कुमार (उप-कप्तान), दीपक चाहर, नवदीप सैनी, चेतन सकारिया।

श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के प्रदर्शन पर जयसूर्या ने जताई निराशा, कहा तत्काल होना चाहिए क्रिकेट का पुनरुद्धार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या ने श्रीलंका की मौजूदा टीम के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की है। सन 2014 टी20 विश्व कप की विजेता टीम को इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। श्रीलंका की टीम लंबे समय से कोई टी20 सीरीज नहीं जीत पाई है। यहां तक कि आखिरी 11 टी20 सीरीजों में सिर्फ एक टी20 सीरीज ही श्रीलंकाई टीम जीत पाई है।

इयोन मोर्गन की अगुवाई वाली अंग्रेज टीम के सामने श्रीलंकाई टीम का कोई मुकाबला नहीं था, क्योंकि वे तीन मैचों की श्रृंखला में पूरी तरह से बाहर हो गए थे। 1996 विश्व कप विजेता खिलाड़ी सनथ जयसूर्या ने अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा यह श्रीलंकाई क्रिकेट के लिए बहुत दुखद दिन है। श्रीलंका क्रिकेट की स्थिति गंभीर है और उनके देश में खेल के पुनरुद्धार के लिए तत्काल उपाय करने की जरूरत है।

आपको जानकर हैरानी होगी कि 2014 में टी20 विश्व कप जीतने वाली श्रीलंकाई टीम को इस साल के टी20 विश्व कप के सुपर 12 में जगह बनाने के लिए क्वालीफायर्स के दौर से गुजरना होगा। श्रीलंका, बांग्लादेश, आयरलैंड, नीदरलैंड्स, स्कॉटलैंड, नामीबिया, ओमान और पपुआ न्यू जीनिया में से चार टीमें टी20 विश्व कप के सुपर 12 मैचों का हिस्सा होंगी। इन आठ टीमों को दो भागों में बांटा गया है और दोनों ग्रुप की टॉप 2 टीम टी20 विश्व कप खेलेंगी।

सनथ जयसूर्या के ट्वीट पर श्रीलंका टीम के लिए जो सुझाव आए हैं, वे हैरान करने वाले हैं। एक प्रशंसक ने लिखा श्रीलंकाई टीम को तुरंत स्वदेश बुला लिया जाए और तब तक विदेश न भेजा जाए जब तक कि मानकों पर खरे नहीं उतरते। एक प्रशंसक ने लिखा कि जब से श्रीलंका टेस्ट प्लेइंग नेशन बना है, तब से अब तक की यह सबसे खराब टीम है। एक अन्य प्रशंसक ने लिखा कि 2015 के बाद से टीम का खराब प्रदर्शन जारी है। खिलाड़ी, कप्तान, कोच और चयनकर्ता तक बदल दिए गए, लेकिन प्रदर्शन नहीं सुधरा।

यूएई में आयोजित किया जाएगा टी20 विश्व कप : गांगुली

मुम्बई, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि कोरोना महामारी संक्रमण के खतरे को देखते हुए भारत में होने वाला आईसीसी टी20 विश्व कप अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित किया जाएगा। इससे पहले आईसीसी ने बीसीसीआई को टी20 विश्वकप के आयोजन को लेकर जून के अंत तक फैसला करने को कहा था। उसी के बाद गांगुली का ये बयान आया है। इससे पहले बोर्ड सचिव जय शाह ने भी कहा था कि वर्तमान हालातों को देखते हुए देश में आयोजन की संभावनाएं नहीं है। वहीं अब बीसीसीआई प्रमुख के बयान के बाद स्थिति स्पष्ट हो गयी है। गांगुली ने कहा है कि टी20 विश्व कप भारत में नहीं बल्कि यूएई में होगा। इसका कारण यह है कि मेजबान देश होने के कारण भारत के पास मैच स्थल बदलने का अधिकार है।

उन्होंने कहा टी विश्व कप को लेकर आईसीसी समय सीमा का आज अंतिम दिन था। इसलिए हमें अपने फैसले के बारे में आईसीसी को जानकारी देनी थी। इसी को लेकर आज बीसीसीआई पदाधिकारियों के बीच एक कॉन्फ्रेंस हुई थी। हम मिले और कोरोना की स्थिति को देखा। अभी कोई नहीं बता सकता कि 2-3 महीने बाद क्या होने वाला है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए हमने फैसला लिया कि बीसीसीआई आईसीसी को इसे यूएई में स्थानांतरित करने की सूचना देगा क्योंकि भारत के बाद यह आदर्श स्थल है। हम इस टूनार्मेंट की भारत में मेजबानी करना चाहते थे और यही हमारी पहली प्राथमिकता थी लेकिन हालातों को देखते हुए हमें बदलना पड़ा है।

वहीं बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि टूनार्मेंट की तारीख वहीं होंगी जो पहले तय की गई थी। आईपीएल के तत्काल बाद टी20 विश्व कप शुरू हो जाएगा। क्वालीफायर ओमान में हो सकते हैं और बाकी मैच तीन मैदानों दुबई, अबू धाबी और शारजाह में खेले जाएंगे।

ब्यूमोंट और नताली की शानदार बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने पहला एकदिवसीय जीता

ब्रिस्टल, (एजेंसी)। टैमी ब्यूमोंट और नताली साइवर की शानदार साझेदारी से इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम ने पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करने के साथ ही तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। इंग्लैंड की टीम ने इस मैच में भारतीय महिला टीम को आठ विकेट से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान मिताली राज के 72 रनों की सहायता से निर्धारित 50 ओवरों में 8 विकेट पर 201 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 202 रनों के लक्ष्य को मेजबान टीम ने 34.5 ओवरों में ही दो विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज ब्यूमोंट ने 87 रन जबकि नताली ने 74 रन बनाये। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी बनायी।

इससे पहले भातरीय बल्लेबाज इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पायी। सलामी बल्लेबाज शेफाली 15 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी। स्मृति मंधाना ने भी निराश किया वह 10 रन ही बना पायी। क्रिकेट पूनम राउत ने 32 रन जबकि दीप्ति शर्मा ने 30 रन बनाये।

वहीं इंग्लैंड की ओर से स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन ने 40 रन देकर तीन विकेट लिए जिनमें हरमनप्रीत और मिताली के विकेट भी थे। इस मैच में तीनों प्रारूपों में सबसे कम उम्र में पदार्पण का रिकार्ड बनाने वाली शेफाली ने शुरू से अपने शॉट खेलने शुरू किए। उन्होंने कैथरीन पर लगातार दो चौके जमाए।

वहीं कप्तान मिताली ने शुरू में बेहद धीमी बल्लेबाजी की और इस बीच पूनम भी तेजी नहीं दिखा पायी। भारतीय टीम 16 ओवर में 50 रन तक पहुंची। इसके बाद पूनम और हरमनप्रीत के पवेलियन लौटने से टीम पर दबाव आ गया। मिताली ने हालांकि विकेट बचाये रखकर दीप्ति के साथ मिलकर स्ट्राइक रोटेट की। भारत का स्कोर 40 ओवर के बाद चार विकेट पर 134 रन था। इसके बाद इन दोनों ने तेजी से रन बनाये पर दीप्ति को श्रबसोले ने पगबाधा आऊट कर दिया। मिताली ने इससे पहले इसी ओवर में मिडविकेट पर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया था। मिताली आखिर तक क्रीज पर नहीं रही जिसे भारत के ज्यादा रन बनाने की उम्मीद टूट गयी। निचले क्रम में पूजा वस्त्राकर 15 के अलावा अन्य खिलाड़ी रन नहीं बना पायीं।

पहली बार एक ही समय में दो अलग-अलग देशों में सीरीज खेलने उतरेगी भारतीय टीम

मुम्बई, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम एक ही समय में दो अलग-अलग देशों में क्रिकेट सीरीज खेलेगी। शेखर धवन की कप्तानी में भारत की युवा खिलाड़ियों से भरी एक टीम जहां श्रीलंका रवाना है। वहीं विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम अभी इंग्लैंड दौरे पर है। श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। इस दौरे में भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ होंगे। इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम चार अगस्त से शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में खेलेगी।

गौरतलब है कि इससे पहले साल 1998 में कुआलालम्पुर (मलेशिया) में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार क्रिकेट को शामिल किया गया था। तब उसी समय भारत और पाकिस्तान के बीच टोरंटो में पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली गयी थी। 1998) निर्धारित थी। उस समय भी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दो अलग-अलग टीमें बनाई थीं।

तब पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए मोहम्मद अजहरुद्दीन, जबकि राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अजय जडेजा को कप्तान बनाया गया था हालांकि आईसीसी ने राष्ट्रमंडल खेलों में हुए क्रिकेट को एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की मान्यता नहीं दी थी, जिसके कारण इसे अधिकारिक रिकॉर्ड में शामिल नहीं किया गया था। ये मुकाबले लिस्ट-ए क्रिकेट में शामिल हुए थे। अब अधिकारिक रूप से पहली बार ऐसा हो रहा है कि भारतीय टीम अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए दो देशों के दौरे पर है।

श्रीलंका दौरे के लिए देवदत्त पडिक्कल, पृथ्वी शॉ जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। टीम में ईशान किशन और संजू सैमसन के रूप में दो विकेटकीपर भी हैं। इन युवा खिलाड़ियों के पास बेहतरीन प्रदर्शन कर मुख्य टीम में जगह बनाने का सुनहरा मौका है। धवन ने भी कहा, यह बहुत अच्छी टीम है। हमारी टीम में सकारात्मकता और विश्वास है। हर किसी को अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है खिलाड़ी बेहद उत्साहित हैं, यह नई चुनौती है, लेकिन इसके साथ ही यह हम सभी के लिए अपना कौशल दिखाने का शानदार मौका है। हर कोई इसका इंतजार कर रहा है।

यूजीन में अमेरिकी ओलंपिक ट्रैक ट्रायल्स में जीत के बाद उत्साहित शेल्बी मैकइवन।

डोप टेस्ट में फेल हुई मप्र की महिला क्रिकेटर अंशुला राव, चार साल का प्रतिबंध लगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेटर अंशुला राव डोप टेस्ट में फेल हो गई हैं। इसके बाद नाडा के पैनल ने उन पर 4 साल का प्रतिबंध लगा दिया है। अंशुला राव डोप टेस्ट के कारण प्रतिबंधित की जाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। मप्र की इस खिलाड़ी के दोनों सैंपल की जांच के बाद यह फैसला किया गया है। खिलाड़ी को बी सैंपल की जांच में आए लगभग 2 लाख रुपए का खर्च भी उठाना होगा। नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी के पैनल ने खिलाड़ी पर 4 साल का बैन लगाया है। मप्र की ओर से विभिन्न टूनार्मेंट में उतरने वाली अंशुला राव को प्रदर्शन बढ़ाने के लिए प्रतिबंधित पदार्थ लेने का दोषी पाया गया है। वह अंतिम बार 2019-20 में अंडर-23 टूनार्मेंट में उतरी थीं। पिछले साल उन्हें मार्च में प्रतिबंधित पदार्थ लेने के कारण सस्पेंड किया गया था। खिलाड़ी इस मामले में सही जानकारी नहीं दे सकी थीं। अंशुला राव के दो सैंपल जांच के लिए बेल्जियम भेजे गए थे। इसमें प्रतिबंधित पदार्थ पाए गए। पैनल के समक्ष अपने बचाव में अंशुला राव ने कहा कि डोप टेस्ट और नाडा द्वारा लगाए गए आरोप के बीच लगभग 4 महीने का समय हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि उनसे बी सैंपल की जांच के लिए 2400 यूरो (लगभाग 2 लाख रुपए) देने को कहा गया। यह उनके साथ अनुचित व्यवहार है। इससे पहले भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ पर डोप टेस्ट में फेल होने के कारण बैन लग चुका है। 2019 में घरेलू टूनार्मेंट के दौरान कफ सीरप लेने के बाद वे डोप में फंस गए थे। इसके बाद बीसीसीआई ने उन पर 8 महीने का बैन भी लगाया था। हालांकि बाद में खिलाड़ी ने खुलासा किया था कि वे खांसी से परेशान थे और पिता से पूछकर सीरप ली थी।